लखनऊ

बुधवार, 10 जून, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 284

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

# हिंदी दैनिक आर्यावर्त क्रांति

जीवन में धोखा खाना भी बहुत जरुरी है, क्योंकि चलना मां-बाप सीखा देते हैं लेकिन संभलना खुद ही सीखना पड़ता हैं।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

## संक्षेप

### खान सर की गिरफ्तारी पर रोक, पटना जिला कोर्ट से मिली राहत

पटना। पटना से बड़ी खबर सामने आई है। चर्चित शिक्षक खान सर को राहत देते हुए पटना सिविल कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। खान सर के खिलाफ 2 जून को उनके कोचिंग संस्थान के बाहर कथित गोलीबारी की घटना को लेकर मामला दर्ज किया गया था। जानकारी के अनुसार, खान सर ने सोमवार को पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत (एंटिसिपेटरी बेल) की याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। यह मामला एक वायरल वीडियो के आधार पर दर्ज किया गया था। 2 जून के बताए जा रहे इस वीडियो में खान सर के कोचिंग संस्थान के दो सुरक्षा गार्ड कथित रूप से फायरिंग करते नजर आए थे। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों सुरक्षा गार्डों को हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। खान सर के खिलाफ पटना के कदमकुआं थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है।

### विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में बड़ा हादसा, खौलते हुए स्टील की चपेट में आने से 8 मजदूरों की दर्दनाक मौत

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में एक बेहद दर्दनाक और भयानक हादसा सामने आया है। प्लांट में बड़ी मात्रा में पिघले हुए स्टील के रिसाव की वजह से आठ श्रमिकों की जान चली गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस खौफनाक मंजर के बाद पूरे प्लांट परिसर में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। घायलों को तुरंत प्रभाव से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है और बचाव कार्य लगातार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, यह भीषण दुर्घटना प्लांट के एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट फैसिलिटी में घटी। बताया जा रहा है कि काम के दौरान एक लैडल (पिघली धातु ले जाने वाला बड़ा बर्तन) में अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भयंकर था कि उसमें मौजूद खौलता हुआ पिघला स्टील तेजी से बाहर फैल गया। वहां काम कर रहे कई श्रमिक खुद को बचा नहीं पाए और इस उबलते हुए स्टील की चपेट में आ गए, जिससे मौके पर ही भारी तबाही मच गई। इस बड़े हादसे की खबर मिलते ही राज्य प्रशासन में हड़कंप मच गया। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलापुडी अनिता ने घटना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विशाखापत्तनम के जिला कलेक्टर और पुलिस आयुक्त से फोन पर संपर्क किया और हालात की पूरी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी घायल श्रमिकों को जल्द से जल्द बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। गृह मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के मुताबिक, बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देने के साथ ही गृह मंत्री खुद दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो चुकी हैं और पल-पल के अपडेट के लिए अधिकारियों के संपर्क में हैं।

## सीएम योगी की चेतावनी: भारत देशद्रोहियों की शरणस्थली नहीं, रावण-मारीच का होगा अंत

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**अयोध्या।** अयोध्या में जगद्गुरु रामभद्राचार्य की रामकथा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि केरल उच्च न्यायालय ने 2009 और 2011 में इस (लव जिहाद) पर चिंता व्यक्त की थी कि यह धार्मिक जनसांख्यिकी को बदलने की साजिश है। हमने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। हमने 2020 में उत्तर प्रदेश में इस पर एक सख्त कानून बनाया। हमें सतर्क रहना चाहिए। जिस किसी ने भी राम को अपने जीवन का आदर्श बनाया है, उनका कल्याण सुनिश्चित किया गया है।

योगी ने साफ तौर पर कहा कि जिस भी व्यक्ति के भीतर 'भारत का DNA' है, उसके आदर्श केवल और केवल भगवान राम ही हो सकते हैं। राजनीति और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर देखें तो हर भारतीय के संस्कारों में राम समाहित हैं। उन्होंने कहा कि जिनकी भारत के प्रति आस्था नहीं है, उन लोगों के लिए भारत की धरती 'धर्मशाला' नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत उन आक्रमणकारियों के लिए शरणस्थली नहीं है जिन्हें भारत में विश्वास नहीं है, जो भारत के प्रति वफादार नहीं हैं और जो भारत के मूल्यों और परंपराओं का सम्मान नहीं कर सकते। ऐसे लोगों के लिए भारत की भूमि आश्रय नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि मारीच और रावण, उच्च कुल और श्रेष्ठ व्यवस्था में जन्म लेते हैं, लेकिन पशुवत मारे जाते हैं, क्योंकि प्रभु श्री राम के साथ द्रोह करते हैं। उन्होंने कहा कि रावण ने माता जानकी का अपहरण कर लिया था, और भगवान श्री राम ने उन्हें छुड़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया। उन्होंने उत्तर और दक्षिण भारत को एकजुट किया। यह महिलाओं की गरिमा की रक्षा का एक उदाहरण है। यह 'लव जिहाद' जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एक आदर्श उदाहरण के रूप में काम कर सकता है और इसे सबके सामने प्रस्तुत किया जा सकता है।

वहीं, एक्स पर योगी ने लिखा कि लखनऊ में आयोजित 9 दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव के समापन कार्यक्रम में आज पूज्य संत, पद्म विभूषण जगद्गुरु तुलसीपीठाधीश्वर रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीमुख से पावन श्री राम कथा के श्रवण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मध्यकाल में गोस्वामी तुलसीदास जी ने जिस प्रकार

## विकास, विश्वास और जनकल्याण के 12 साल... पीएम मोदी बोले- देश को सशक्त बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने कार्यकाल के 12 साल पूरे होने पर एक पोस्ट साझा की। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार के बीते 12 साल विश्वास, विकास और जनकल्याण को समर्पित रहे हैं। 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और राष्ट्र प्रथम की भावना से हमने युवाओं, महिलाओं और अपने किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि यह हमारे अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिजिटल क्रांति तक आज देश को दुनियाभर में एक नई पहचान मिली है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सेवा, सुशासन और समृद्धि के इसी पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे। 26 मई 2014 को पीएम मोदी

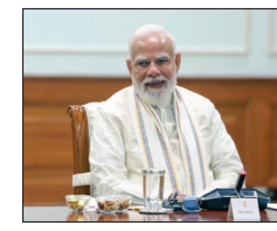

ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। 9 जून को 2024 को उन्होंने लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली थी। इसी के साथ उन्होंने आजाद भारत में सबसे लंबे समय तक पीएम पद पर बने रहने के पंडित नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वो देश के सबसे लंबे कार्यकाल तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं। 9 जून 2026 तक उनके कार्यकाल के 4398 दिन पूरे हो गए हैं। अब वो सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं।

## साहिबाबाद की टायर रबर फैक्ट्री में भीषण आग, दमकल विभाग ने पाया काबू

**आर्यावर्त क्रांति**

**गाजियाबाद।** उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के साहिबाबाद में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। एक फैक्ट्री में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैल गई और फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

घटना साहिबाबाद के राजेंद्र नगर इलाके में स्थित एक टायर रबर प्रोसेसिंग फैक्ट्री की है। फैक्ट्री में सोमवार सुबह आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, करीब चार दमकल गाड़ियों को आग पर काबू पाने के लिए लगाया गया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया गया। इस घटना में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है।

दमकलकर्मियों के साथ मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल भी घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे साहिबाबाद फायर स्टेशन को फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तुरंत दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया, जब टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि टायर रबर प्रोसेसिंग यूनिट में आग फैल चुकी थी और पूरी फैक्ट्री इसकी चपेट में आ गई थी। दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे आग आसपास के इलाकों में फैलने से रोक दी गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। भीषण गर्मी के बीच आग लगने की कई घटनाएं सामने आ रही हैं।

## पहले काम का अधिकार छीना, अब निवाला भी छीन रही है मोदी सरकार: खरगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार किए जाने को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना और अब रोटी का निवाला भी छीन रही है। सरकार ने हाल में उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मोदी सरकार के 12 सालों में ग़रीबी घटाने के अभियान की वास्तविकता है कि पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना, अब रोटी का निवाला भी छीना जा रहा है।' उन्होंने कहा कि 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया था कि उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को लकड़ी के चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिलेगी तथा साल में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देने का वादा किया गया था, लेकिन पिछले साल इसे 12 से घटाकर 9 और अब 4 कर दिया गया है।

खरगे ने कहा, '2026 में अब सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या 9 से घटाकर केवल चार कर दी गई। एलपीजी की कीमतें बार-बार बढ़ाई गईं। यानी, 12 का वादा, पर 4 का इरादा। 5.56 करोड़ लाभार्थी गैस सिलेंडर ख़रीदने में असमर्थ हैं।' उन्होंने कहा, "सिलेंडर छोड़, माता-बहनें चूल्हा अपनाने को मजबूर... उनके आंसुओं पर घड़ियाली आंसू बहाने वाली मोदी सरकार सत्ता के नशे में चूर।'

## संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को घेरा, 'फिटना अल हिंदुस्तान' नैरेटिव को बताया दुष्प्रचार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान की स्थिति पर आयोजित बैठक के दौरान भारत ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। भारत ने पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे 'फिटना अल हिंदुस्तान' शब्द को सरकारी स्तर पर फैलाया जा रहा दुष्प्रचार और गलत सूचना अभियान करार दिया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान अपने देश के भीतर सक्रिय समूहों को 'फिटना अल हिंदुस्तान' बताकर तथ्यों से परे एक ऐसा नैरेटिव गढ़ रहा है, जिसे धार्मिक शब्दावली का सहारा देकर प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान की उस सोच का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश की वास्तविक राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों से जनता का ध्यान भटकाना है।

भारतीय प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि भारत के खिलाफ स्थायी शत्रुता का माहौल बनाकर पाकिस्तान में सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे पाकिस्तान की संगठित नफरत की फैक्ट्री का परिणाम बताया।

बैठक के दौरान भारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किए गए सैन्य हवाई हमलों की भी आलोचना की। पर्वथानेनी हरीश ने कहा कि किसी नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने से उसकी जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती। निर्दोष नागरिकों की मौत, लोगों का घायल होना और बच्चों का अनाथ होना आतंकवाद विरोधी कार्रवाई नहीं कहा जा सकता। भारत का कहना है कि इन हमलों से अफगान नागरिकों को भारी नुकसान और पीड़ा का सामना करना पड़ा है।

भारत ने पाकिस्तान पर दोहरे मापदंड अपनाने का भी आरोप लगाया। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि एक ओर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय कानून और इस्लामी एकजुटता की बात करता है, वहीं दूसरी ओर रमजान जैसे पवित्र महीने में सैन्य कार्रवाई करता है। यह उसके कथनी और करनी के बीच के अंतर को दर्शाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अपनी आंतरिक समस्याओं के लिए पड़ोसी देशों को जिम्मेदार ठहराना पाकिस्तान की पुरानी प्रवृत्ति रही है और दुनिया को गुमराह करने की उसकी यह कोशिश सफल नहीं होगी।

## मोदी सरकार के 12 साल : विदेश मंत्री ने गिनाई उपलब्धियां

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर विदेश मंत्रालय की उपलब्धियों को बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 12 साल में विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में कई जरूरी बदलाव हुए हैं। इसमें पासपोर्ट प्रक्रिया को आसान करना और विदेशों में रहने वाले भारतीयों की मदद करना शामिल हैं।

विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा,' 12 साल पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। पिछले 12 साल में , विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।' आम नागरिक के लिए पासपोर्ट जारी करना और दस्तावेजों का सत्यापन करना आसान बनाया गया है।

खुले दूतावासों के माध्यम से विदेशों में रहने वाले भारतीयों को पूरा समर्थन दिया गया है। इसके साथ ही भारतीय समुदाय कल्याण कोष का उपयोग बढ़ाया गया है।

शिकायत निवारण और प्रतिक्रिया के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं। निकासी सहित संकट की स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी गई है। यूक्रेन, इस्राइल, अफगानिस्तान और सूडान इसके कुछ उदाहरण हैं।

भारतीयों को वैश्विक कार्यस्थलों तक पहुंचने और वैश्विक कार्यबल का हिस्सा बनने में सुविधा दी की गई है। अब तक 21 गतिशीलता साझेदारियां स्थापित की गई हैं।

भारतीय व्यवसायों को विदेशों में बाजार तक पहुंच बनाने और निर्यात बढ़ाने में सहायता की गई है।

विकास परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय उत्पादों और सेवाओं को नए बाजारों में प्रवेश करने में सक्षम बनाया गया है। विदेशों में भारतीय छात्रों के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए गए हैं।

भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दिया गया है। इसके साथ ही अन्य देशों में हमारी विरासत और परंपराओं के प्रति सराहना को बढ़ाया गया है।

विदेशों में रहने और जाने वाले भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 44 दूतावास और वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं। इसके लिए भारतीय कूटनीति राष्ट्र के लिए चौबीसों घंटे काम करती है। आज भारतीय अधिक आत्मविश्वास और गौरव की भावना के साथ विदेश यात्रा करते हैं।

इसके साथ ही मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी केंद्र में अपनी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशवासियों को संबोधित किया।

## भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार किए तैनात!

### नई रिपोर्ट से पाक-चीन को लगेगा 440 वोल्ट का झटका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया में हथियारों पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था SIPRI की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने कम से कम 12 परमाणु हथियार ऑपरेशनल यानी तैयार स्थिति में तैनात कर दिए हैं। इसका मतलब भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी या अन्य सैन्य प्लेटफॉर्म पर कुछ परमाणु हथियार हमेशा इस्तेमाल करने के लिए तैयार रखे गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान से संभावित खतरे को देखते हुए भारत ने यह कदम उठाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर कोई देश भारत के खिलाफ परमाणु हमला करने की कोशिश करता है तो भारत तुरंत जवाबी परमाणु कार्रवाई करने की क्षमता रखता है। यह दावा भारत की पुरानी परमाणु व्यवस्था से अलग बताया गया है।

SIPRI की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अपनी परमाणु तैयारी में बड़ा बदलाव किया है और कम से कम 12 परमाणु वॉरहेड तैनात किए हैं। पहले माना जाता था कि भारत अपने परमाणु वॉरहेड और उन्हें ले जाने वाले सिस्टम जैसे मिसाइलों को अलग-अलग रखता है, लेकिन इस बार रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने कुछ परमाणु वॉरहेड को उनके डिलीवरी सिस्टम के साथ जोड़ दिया है या उन्हें ऐसे सैन्य ठिकानों पर रखा है, जहां वे तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार हैं। यह पहली बार है जब SIPRI की रिपोर्ट में भारत के परमाणु हथियारों को ऑपरेशनल तैनाती की स्थिति में बताया गया है। इससे पहले की रिपोर्टों में भारत के परमाणु हथियारों को केवल स्टॉकपाइल यानी भंडार के रूप में दिखाया जाता था।

### भारत के पास 190 परमाणु हथियार

रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी 2026 तक भारत के पास कुल 190 परमाणु वॉरहेड हैं। इनमें से 12 परमाणु वॉरहेड मिसाइलों, पनडुब्बियों या लड़ाकू विमानों जैसे डिलीवरी सिस्टम के साथ जोड़े गए हैं या ऑपरेशनल फोर्स वाले ठिकानों पर तैनात किए गए हैं। इसका मतलब यह बताया गया है कि परमाणु हथियारों को अलग स्टोरेज में रखने की भारत की कई दशकों पुरानी व्यवस्था में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु वॉरहेड को लॉन्चर से अलग रखता है, लेकिन हाल के वर्षों में मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्र में सुरक्षा गश्त बढ़ाने जैसे कदम इस बात का संकेत देते हैं कि भारत शांति के समय में भी कुछ परमाणु वॉरहेड को लॉन्चर के साथ रखने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

### परमाणु मिसाइल ले जाने वाली दो पनडुब्बी

रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2024 से भारत ने परमाणु मिसाइल ले जाने वाली दो पनडुब्बियों INS अरिघात और INS अरिदमन को ऑपरेशनल कर दिया है। दोनों पनडुब्बियां परमाणु मिसाइल ले जाने में सक्षम हैं और उन्हें डेटरेंस पेट्रोल यानी सुरक्षा और जवाबी क्षमता बनाए रखने वाली गश्त के लिए मंजूरी मिल चुकी है।

## कोयला कारोबार में बड़ा बदलाव : भारत में कोल एक्सचेंज स्थापित करने का रास्ता हुआ साफ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने देश में कोल एक्सचेंज स्थापित करने का रास्ता साफ कर दिया है। यह कदम भारत की कोयला आपूर्ति व्यवस्था को आधुनिक बनाने और पारदर्शी तथा बाजार-आधारित ट्रेडिंग सिस्टम विकसित करने की दिशा में एक बड़ा सुधार माना जा रहा है। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि हाल ही में लागू खनिज और खनन (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2025 के तहत पहली बार मिनरल एक्सचेंज की अवधारणा पेश की गई है। इसके जरिए केंद्र सरकार को कोयले और उसके प्रसंस्कृत उत्पादों सहित विभिन्न खनिजों के पारदर्शी और प्रभावी व्यापार को बढ़ावा देने का अधिकार मिला है।

मंत्रालय के अनुसार, इस कानून को लागू करने के लिए सरकार ने इसी महीने कोल एक्सचेंज नियम, 2026 को अधिसूचित किया है। इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने दिसंबर 2025 में कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन (सीसीओ) को वह प्राधिकरण नियुक्त किया था, जो कोल एक्सचेंजों के पंजीकरण और नियमन की जिम्मेदारी संभालेगा।

मंत्रालय ने बताया कि पात्र संस्थाओं को सीसीओ की ओर से कोल एक्सचेंज स्थापित करने और संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। ये संस्थाएं बाजार के नियम और उपनियम तैयार करेंगी तथा कोयले के व्यापार को सुगम बनाने का काम करेंगी।

# श्रवण दास कुटी पर एक करोड़ की परियोजना का शिलान्यास

## एमएलसी व भाजपा जिलाध्यक्ष ने भूमि पूजन कर किया कार्य का शुभारंभ

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**कुड़वार/सुल्तानपुर।** क्षेत्र के नीरसहिया गांव स्थित बाबा श्रवण दास कुटी पर पर्यटन विभाग की तरफ से सौंदर्यीकरण के लिए एक करोड़ 05 लाख की परियोजना का एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह व भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने भूमि पूजन कर शिलान्यास किया।

बता दे कि विकास खंड के नीरसहिया गांव में आदि गंगा गोमती नदी के किनारे बाबा श्रवण दास की कुटी स्थित है। जहां पर बाबा बजरंग बली व शनि देव का मंदिर स्थापित है। प्रत्येक मंगलवार को हजारों श्रद्धालु पहुंचकर बाबा का दर्शन करते थे। स्थल के सौंदर्यीकरण के लिए एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्ययोजना बनवाकर पर्यटन विभाग को सौंपी थी। जिसके तहत एक करोड़ 05 लाख 20 हजार रुपए की धनराशि शासन से उत्तर प्रदेश जलनिगम विभाग नगरीय अयोध्या को आवंटित हुई है। कार्यदाई संस्था द्वारा श्रवण दास कुटी के सौंदर्यीकरण कार्य शुभारंभ के लिए मंगलवार को एमएलसी व भाजपा जिलाध्यक्ष से शिलान्यास कराया। जेई अजय सिंह ने बताया कि कार्य योजना के अनुसार यात्री शेड, टॉयलेट ब्लॉक, बोरिंग समरसेबल, बेंच,सोलर लाइट, आर ओ वाटर कुलर आदि का निर्माण कार्य कराया जाएगा। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एमएलसी ने कहा कि इस स्थल के सौंदर्यीकरण की मांग ग्रामीणों द्वारा रखी गई थी। जिसका शिलान्यास कर कार्य का शुभारंभ किया गया साथ ही कटावा गांव निवासी राम बहादुर सिंह ने गोमती नदी के कटान को रोकने के लिए 900 मीटर बंधा निर्माण की मांग उठाई जिसे एमएलसी ने कार्ययोजना बनवा कर कराने का आश्वासन दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि इसौली विधानसभा में पार्टी का विधायक न होने से विकास कार्य नहीं हो पा रहा था इसलिए पार्टी ने एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है कि जो भी विकास कार्य कराना हो उसकी कार्ययोजना बनवा कर दे शासन से स्वीकृति कराकर कार्य कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जाति देखकर विकास नहीं करती लेकिन चुनाव के समय जातियों में बंटकर नुकसान कर देते है और पार्टी चुनाव नहीं जीत पाती। आए हुए सभी लोगों का ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नीर सहिया श्याम नारायण यादव, कटावा रिंकू सिंह आदि ने स्वागत किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कुड़वार बबलू सिंह, समाजसेवी श्याम सुंदर सिंह, रामेंद्र सिंह राणा, ब्लॉक प्रमुख कूरेभार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

### माता जी की प्रतिमा में आग लगने के मामले में मुकदमा दर्ज

**कुड़वार/सुल्तानपुर।** विवादित स्थल पर रखी हुई दुर्गा माता प्रतिमा में आगजनी के मामले में पुलिस ने उपनिरीक्षक जितेंद्र सिंह की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बता दे कि स्थानीय थाना क्षेत्र के बहरमरपुर गांव में आबादी की जमीन कब्जेदारी को लेकर विवाद है।बीते वर्ष उसी को लेकर एक पक्ष ने पूजा अर्चना कर भंडारे का आयोजन किया था तो मौके पर पहुंची पुलिस व प्रशासन बल प्रयोग करते हुए सभी को हटा दिया था और मामला दो समुदाय का होने के चलते पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी थी।समय बीतने के बाद भी उस स्थल पर दिन में दो होम गार्ड के जवान तैनात रहते थे। सोमवार को देर शाम विवादित स्थल पर रखी माता जी की प्रतिमा में आग लग गई।आग की सूचना पर पहुंची पुलिस से हिंदू पक्ष के लोगों ने मुस्लिम पक्ष पर आगजनी का आरोप लगाया।

## शर्बत पिलाकर राहगीरों व श्रद्धालुओं को भीषण गर्मी से दिलाई राहत

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**सुल्तानपुर।** श्री हनुमान बालाजी सेवा फाउंडेशन सुल्तानपुर अयोध्या संस्था द्वारा आज मंगलवार को समय सुबह 10.00 बजे से दोपहर के 02.00 बजे तक लगातार धार्मिक स्थल हनुमान मंदिर ढकवा बाजार में भीषण गर्मी से राहत हेतु आज श्रद्धालुओं और राहगीरों को प्रसाद व शरबत पानी वितरण बड़ी कुशलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। साथ ही में संस्था द्वारा स्वच्छता वा पर्यावरण अभियान के तहत साफ सफाई भी की गई। और आमजन मानस को वृक्षारोपण के लिए भी उत्साहित किया गया कि हर एक व्यक्ति को अपने वा अपने देश को प्रदूषण से बचाव हेतु एक एक पौधा लगाना प्रदूषण से मुक्ति पाना है, जीवन को सुरक्षित रखना है। श्री हनुमान बालाजी सेवा का एक ही सपना, स्वच्छ और सुंदर हो पर्यावरण अपना। संस्था प्रबंधन समिति बोर्ड के अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

# हरदोई में एसडीएम पर गांववालों ने किया हमला, पथराव में सिर फटा... पांच टांके लगे

**आर्यावर्त संवाददाता**

**हरदोई।** उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के परियल गांव में उपजिलाधिकारी पर गांववालों ने हमला कर दिया। परियल गांव में एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा राशन दुकान और बाढ़ राहत कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। पथराव की इस घटना में एसडीएम गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि सरकारी वाहन को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद प्रशासन ने गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है।

एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा सोमवार को गर्रा नदी क्षेत्र में बाढ़ राहत और बचाव कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। निरीक्षण के बाद जब वह परियल गांव से होकर लौट रहे थे, तब उन्होंने गांव में संचालित अन्नपूर्णा राशन दुकान का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान अधिकारियों को कुछ अनियमितताएं

मिलीं। आरोप है कि एक स्थान पर राशन वितरण केंद्र के साथ-साथ अवैध रूप से परचून की दुकान भी संचालित की जा रही थी।

निरीक्षण के दौरान मौजूद उदयवीर नामक व्यक्ति से अधिकारियों की कहासुनी हो गई। प्रशासनिक अधिकारियों का आरोप है कि उदयवीर ने अभद्र व्यवहार किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों ने उसे हिरासत में लेने की कोशिश की। इसी दौरान उसने फोन कर अपने समर्थकों और ग्रामीणों को मौके पर बुला लिया।

### पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

डीएम अनुनय झा ने बताया कि घटना को बेहद गंभीरता से लिया गया है। मामले में आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज की जा रही है और उनकी पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के नेतृत्व में गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि फिलहाल क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

### लाठी-डंडे से बोला हमला

बताया जा रहा है कि जैसे ही एसडीएम का काफिला गांव से बाहर निकलने लगा, बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडों और पत्थरों के साथ वहां पहुंच गए। भीड़ ने सरकारी वाहन को घेर लिया और उस पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान एक पत्थर एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा के सिर में जा लगा, जिससे उन्हें करीब ढाई सेंटीमीटर गहरा घाव हो गया। डॉक्टरों के मुताबिक चोट के कारण उनके सिर में पांच टांके लगाने पड़े। घटना के तुरंत बाद घायल एसडीएम को शाहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के बाद उनकी हालत स्थिर बताई गई और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

## पुरुषोत्तम मास में शिव महापुराण कथा सुनने मात्र से दूर होते हैं दु :ख : पं . राजकुमार शास्त्री

**आर्यावर्त संवाददाता**

**बल्दीराय/सुलतानपुर।** पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर बल्दीराय कस्बे के प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण में आयोजित शिव महापुराण कथा में श्रोताओ को प्रथम कथा का रसपान कराते हुए कथावाचक पं. राजकुमार शास्त्री ने कहा कि शिव महापुराण की कथा सुनने मात्र से मनुष्य के जीवन के अनेक कष्ट दूर हो जाते हैं। भगवान शिव की भक्ति व्यक्ति को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करती है तथा उसे धर्म, सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास भगवान की आराधना, दान-पुण्य, जप-तप और कथा श्रवण के लिए अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। इस माह में शिव महापुराण का श्रवण करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का आगमन होता है। कथा के दौरान कथा वाचक शास्त्री ने भगवान शिव की महिमा, उनके विभिन्न स्वरूपों तथा भक्तों पर उनकी कृपा का विस्तार से वर्णन किया । श्रोताओ ने कथा का श्रवण कर भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए और धार्मिक वातावरण में भक्ति रस का आनंद लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के समापन पर मुख्य यजमान पूर्व गणित प्रवक्ता जय बहादुर सिंह ने सपरिवार सहित व्यास पीठ की आरती उतारी व उपस्थित श्रोताओ को शिव का महा प्रसाद का वितरण करवाया।

# भीषण गर्मी में दम तोड़ते ‘अमृत सरोवर

**आर्यावर्त संवाददाता**

**बल्दीराय/सुलतानपुर।** भीषण गर्मी और आसमान से बरसती आग ने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। तापमान लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। ऐसे में जहां लोग किसी तरह पानी का इंतजाम कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं, वहीं बेजुबान पशु-पक्षियों के सामने जीवन का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से बनाए गए अमृत सरोवर आज स्वयं पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं।

बल्दीराय विकासखंड की ग्राम पंचायत दुर्गापुर में बने अमृत सरोवर की स्थिति भी चिंताजनक है। कभी जल से भरे रहने वाले इस सरोवर में आज सूखी और फटी हुई मिट्टी दिखाई दे रही है। सरोवर के सूख जाने से आवारा पशु, मवेशी और पक्षी पानी की तलाश में भटकने को मजबूर हैं। सरकार ने लाखों रुपये खर्च कर अमृत सरोवरों का निर्माण कराया था, ताकि जल संरक्षण के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भी राहत मिल सके। लेकिन रखरखाव के अभाव और समय पर जलापूर्ति न होने के कारण अधिकांश सरोवर सूख चुके हैं।

ग्रामीणों के अनुसार जिन तालाबों में वर्षभर पानी रहने की उम्मीद थी, वहां अब केवल धूल और सूखी घास नजर आती है। कई स्थानों पर बचा हुआ थोड़ा-बहुत पानी भी कीचड़ में तब्दील हो चुका है, जिससे पशुओं को पानी पीने में कठिनाई हो रही है।

### प्यास और लू से बेहाल पक्षी

भीषण गर्मी का असर पक्षियों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। गांवों में परंपरागत जल स्रोत सूख जाने से कौवे, गौरैया, कबूतर समेत अन्य पक्षी प्यास से तड़प रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि दोपहर के समय लू और प्यास के कारण कई पक्षी पेड़ों से नीचे गिर जाते हैं। समय पर पानी न मिलने पर उनकी मौत तक हो जाती है।

### जिम्मेदारों की उदासीनता पर उठ रहे सवाल

प्रशासनिक अभिलेखों में अमृत सरोवरों के रखरखाव और जल संरक्षण के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। अधिकांश सरोवरों में न तो नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था है और न ही भूजल रिचार्ज या बोरवेल के माध्यम से पानी भरने की कोई प्रभावी पहल दिखाई दे रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि अमृत सरोवरों में तत्काल पानी भरवाया जाए तथा पशु-पक्षियों के लिए स्थायी जल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि इस भीषण गर्मी में बेजुबान जीवों को राहत मिल सके। इस संबंध में खण्ड विकास अधिकारी बल्दीराय से बात की गई तो उन्हों ने कहा कि क्षेत्र के तालाब की जांच करवाई जाएगी जिन ग्राम पंचायत में तालाब सूखा है जल्द पानी भरवाया जाएगा।

### अयोध्या में होगा दमखम का इम्तिहान

**सुल्तानपुर।** जिले की बेटियों ने खेल के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मंडल स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर प्राप्त किया है। प्रदेश स्तरीय सब-जूनियर बालिका बॉक्सिंग चौंपियनशिप के लिए आयोजित होने वाले मंडलीय चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु सुल्तानपुर की पांच प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया गया है। यह मंडलीय ट्रायल अयोध्या की पावन भूमि पर आयोजित होगा, जहां खिलाड़ी प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में स्थान बनाने के लिए अपना दमखम दिखाएंगी। चयनित खिलाड़ियों में प्रियल धुरिया (33-35 किग्रा), काम्या तिवारी (40-43 किग्रा), शिवांगी मिश्रा (43-46 किग्रा), कनक दुबे (61-64 किग्रा) तथा राज नंदनी सोनकर (64-67 किग्रा) शामिल हैं। खिलाड़ियों के चयन से जिले के खेल प्रेमियों एवं अभिभावकों में खुशी का माहौल है। सुल्तानपुर खेल एवं शिक्षा परिषद के महासचिव शुभम धुरिया ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जिले की बेटियां लगातार खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

# यूपी में आतंकियों की साजिश नाकाम... निशाने पर थे अस्पताल, स्कूल और बीजेपी ऑफिस

**आर्यावर्त संवाददाता**

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक बड़े आतंकी हमले की साजिश का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसीयों के मुताबिक आरोपियों ने दिल्ली एनसीआर में दहशत फैलाने की तैयारी की थी। बताया जा रहा है कि नोएडा में बीजेपी कार्यालय, अस्पताल, स्कूल और एकप्रतिष्ठान को निशाना बनाने की योजना बनाई गई थी। एजेंसियों की जांच में सामने आया है कि हमले को अंजाम देने के लिए हथियार और विस्फोटक सामग्री पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब के रास्ते भारत में पहुचाई जानी थी। इसके बाद नोएडा में बड़ी वारदात को अंजाम दिया जाना था।

जांच एजेंसी के अनुसार 23 अप्रैल को नोएडा सेक्टर 126 थाना क्षेत्र में तुषार चौहान और समीर खान को गिरफ्तार किया गया था। दोनों से पूछताछ के बाद 27 मई को सहारनपुर से महकाब शाहरुख , गगनदीप उर्फ गुरु और मुशर्रफ को एटीएस ने गिरफ्तार किया गया। जांच में दावा किया गया कि आरोपी पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क के संपर्क में थे और हमले के लिए हथियार, विस्फोटक हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।

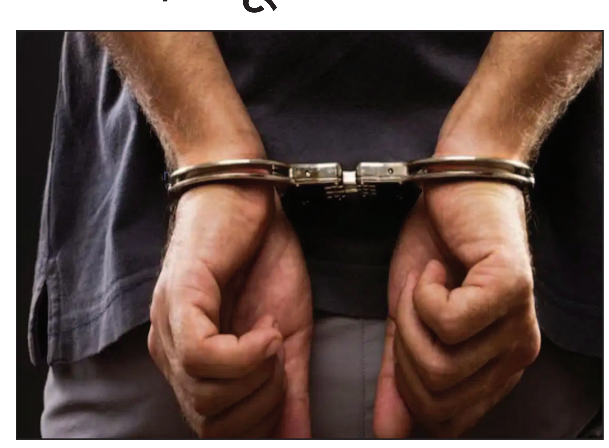

### पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क के संपर्क में थे आरोपी

एटीएस की जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार सभी आरोपी पाकिस्तान से जुड़े नेटवर्क के संपर्क में थे। आरोप है कि शहजाद भट्टी और आबिद जट जैसे गिरोह से जुड़े लोगों की मदद से हथियार और विस्फोटक जुटाने की कोशिश की जा रही थी। एजेंसी को शक है कि देश के अंदर मौजूद स्लीपर सेल की मदद से इस पूरी साजिश को आगे बढ़ाया जा रहा था। फिलहाल मोबाइल और अन्य डिजिटल सबूत के आधार पर नेटवर्क से जुड़े दूसरे लोगों की तलाश की जा रही थी।

### हथियार मिलने से पहले ही एटीएस ने दबोचा

एटीएस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों को अभी हथियार और विस्फोटक नहीं मिले थे, इससे पहले ही कार्रवाई करते हुए इन सभी को पकड़ लिया गया। फिलहाल इनके कब्जे से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। एटीएस ने गिरफ्तार आरोपियों से जुड़ी रिपोर्ट लखनऊ मुख्यालय भेज दी है। साथ ही स्लीपर सेल से जुड़े लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

# नोएडा में महंगे शौक पड़े भारी! लग्जरी लाइफ की चाह में अपराध की राह पर निकले 217 युवा पहुंचे जेल

**आर्यावर्त संवाददाता**

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के हाईटेक शहर कहे जाने वाले नोएडा में हाथ में महंगा मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, लग्जरी बाइक और हाई-फाई लाइफस्टाइल जीने की चाह युवाओं को अपराध की अंधेरी दुनिया की ओर धकेल रही है। कम उम्र में बिना मेहनत ज्यादा पैसे कमाने और दोस्तों के बीच रुतबा दिखाने के चक्कर में 18 से 20 साल के युवा अपना भविष्य दांव पर लगा रहे हैं। गौतम बुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस के पिछले दो वर्षों के आंकड़ों के मुताबिक 217 युवा जेल में बंद हैं।

इनमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जिन्होंने अपनी जरूरतों और महंगे शौक पूरे करने के लिए अपराध का रास्ता चुना। पुलिस जांच में सामने आया है कि कई युवा लग्जरी लाइफ जीने, महंगी बाइक,

मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े खरीदने और मौज-मस्ती के लिए चोरी, चेन स्नैचिंग और नशे की तस्करी जैसी वारदातों में शामिल हुए।

गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के मुताबिक पिछले दो वर्षों में पकड़े गए 217 युवाओं में सबसे ज्यादा आरोपी चोरी की घटनाओं में शामिल पाए गए। पुलिस ने चोरी के मामलों में 142 से ज्यादा युवाओं को गिरफ्तार किया। वहीं, चेन स्नैचिंग के मामलों में 48 और गांजा समेत अन्य मादक पदार्थों की तस्करी में भी युवाओं पर कार्रवाई की गई। पूछताछ के दौरान कई आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनकी कमाई का कोई स्थायी साधन नहीं है, इसके बावजूद वे महंगी चीजों के शौकीन हैं। इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने गलत रास्ता अपनाया और अपराध की दुनिया में कदम रख दिया।

### सलाखों के पीछे कट रही जिंदगी

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि छोटी उम्र में अपराध की शुरुआत युवाओं के पूरे भविष्य को प्रभावित कर सकती है। कुछ समय की मौज-मस्ती और दिखावे के लिए उठाया गया गलत कदम न सिर्फ युवाओं बल्कि उनके परिवारों के लिए भी परेशानी बन जाता है। नोएडा के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर राजीव नारायण मिश्र ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी है। बच्चे किसके साथ उठ-बैठ रहे हैं, उनकी जरूरतें अचानक कैसे बढ़ रही हैं और महंगी चीजों के लिए पैसा कहां से आ रहा है, इस पर परिवार को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते बच्चों को सही दिशा दी जाए तो उन्हें अपराध की दुनिया में जाने से रोका जा सकता है। पुलिस भी ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई के साथ युवाओं को जागरूक करने का काम कर रही है, ताकि उनका भविष्य अपराध की वजह से बर्बाद न हो।

# ज्येष्ठ माह के छठवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर हुआ भंडारे का आयोजन

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**सुल्तानपुर।** अधिक मास के छठे मंगलवार को भी जिले भर के मंदिरों में भगवान बजरंगबली की पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया शहर हो या देहात हर जगह चौक चौराहों पर विविध प्रकार के व्यंजन व शरबत वितरित कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। कई स्थानों पर सुंदरकांड के पाठ का भी आयोजन हुआ। बताते चलें जिले के विजेथुआ महावीरन धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने बजरंगबली का आशीर्वाद लिया वहीं शहर के पंचमुखी चौराहे पर्यावरण पार्क मौनी मन्दिर चौक हनुमानगढ़ी पंचरस्ता हनुमानगढ़ी संकट मोचन हनुमान मंदिर रेलवे हनुमान मंदिर करौंदिया विवेक नगर दरियापुर लोको कॉलोनी पहलवानवीर बाबा लोहरा मऊ धाम आदि स्थलों पर मौजूद बजरंगबली के मंदिर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा।यहां फूलमालाओं व प्रसाद भेटकर लोगों ने सुख समृद्धि व कुशलता का आशीर्वाद मांगा।

### जगह-जगह हुआ भंडारे का आयोजन

शहर के पंचमुखी चौराहे हनुमान मंदिर पर्यावरण पार्क स्थित हनुमान मंदिर, पुलिस लाइन, विवेक नगर स्थित हनुमान मंदिर करौंदिया हनुमान मंदिर खोया मंडी चौक ठठेरी बाजार आदि स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया जहां विविध प्रकार के व्यंजन व शरबत श्रद्धालुओं को परोसे गए। तिकोनिया पार्क के मौनी मंदिर चौराहे पर भाजपा नेता आशीष पांडेय बजरंगी ग्रुप द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया इस भंडारे की खास बात यह रही की देर शाम पुलिस भर्ती परीक्षा देकर लौटे दूसरे जिलों से आए हुए हजारों अभ्यर्थियों ने यहां पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आनंद शुक्ला संजय तिवारी पंकज दूबे आशीष पांडेय सौरभ पांडेय सुबोध तिवारी समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने हजारों श्रद्धालुओं को पूरी सब्जी का प्रसाद वितरण कराया। शारदा सहायक खंड 49 कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया यहां दर्जनों कर्मचारियों ने प्रसाद वितरित कराया अधिशाषी अभियंता अमित कुमार चौधरी सूर्य प्रताप सिंह दया शंकर मिश्र अनुराग श्रीवास्तव धनंजय मिश्र नीरज मिश्र अतुल कुमार वर्मा आदि रहे। वही जयसिंहपुर ब्लाक अंतर्गत बगिया गांव चौराहे पीढ़ी रोड पर स्थित श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स के सामने ज्येष्ठ के मंगलवार पर सुंदर काण्ड पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया।

## रामकथा महोत्सव के समापन में सीएम योगी का संदेश

# भारत आस्था और राष्ट्रधर्म का केंद्र, नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** राजधानी में आयोजित 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था और निष्ठा नहीं है, जो भारतीय संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, उनके लिए भारत की धरती केवल एक धर्मशाला नहीं हो सकती। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को कभी स्वीकार्यता नहीं मिली और समाज को आज भी ऐसी नकारात्मक और विभाजनकारी शक्तियों से सतर्क रहने की आवश्यकता है।मुख्यमंत्री सीतापुर रोड स्थित सेवा अस्पताल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया, जिसका वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कथा केवल श्रवण का विषय नहीं, बल्कि उसे जीवन में आत्मसात करना ही वास्तविक उद्देश्य है।सीएम योगी ने कहा कि संतों ने सदैव समाज को जोड़ने और राष्ट्र को मजबूत बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि रामजन्मभूमि आंदोलन भारतीय अस्मिता और आस्था का प्रतीक रहा है, जिसे न्यायालय ने भी ऐतिहासिक संदर्भों के आधार पर स्वीकार किया। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान श्रीराम उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक भारत को एकता के सूत्र में जोड़ते हैं।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने राम नाम की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि जीवन की हर समस्या का समाधान राम नाम में निहित है। उन्होंने कहा कि संत समाज का उद्देश्य केवल आध्यात्मिक साधना नहीं, बल्कि राष्ट्र कल्याण और लोकमंगल भी है। उन्होंने तुलसीपीठाधीश्वर रामभद्राचार्य के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने जीवन के माध्यम से समाज को निरंतर दिशा दे रहे हैं और दिव्यांग विश्वविद्यालय की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत किया है।सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास में जब भी नकारात्मक शक्तियां प्रभावी हुई हैं, उन्होंने समाज और व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने पौराणिक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे तत्व शिक्षण संस्थानों और शोध केंद्रों को भी प्रभावित करने का प्रयास करते हैं, इसलिए समाज को सजग रहना आवश्यक है।मुख्यमंत्री ने समाज में फैल रही विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया जाता है, जबकि भारत की संत परंपरा हमेशा एकता और समरसता का संदेश देती रही है। उन्होंने कहा कि राम और शिव के आदर्शों को जीवन में अपनाकर ही समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव है।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी गरिमा की रक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए समाज को सजग रहना होगा। उन्होंने कहा कि नकारात्मक और अवैध गतिविधियों के खिलाफ समाज को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि रामद्रोह करने वालों का इतिहास कभी सकारात्मक नहीं रहा, जबकि राम के आदर्शों को अपनाने वाले सदैव पूजनीय बने।कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने स्वामी रामभद्राचार्य के आगामी साधना काल के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनकी साधना राष्ट्र और समाज के कल्याण में सहायक सिद्ध हो। इस अवसर पर विधायक नीरज बोरा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## मानसून से पहले नाला सफाई कार्यों का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** आगामी मानसून को देखते हुए शहर में चल रहे नाला सफाई कार्यों का जायजा लेने के लिए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को जोन-3 क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान चीफ इंजीनियर (सिविल) महेश वर्मा, अधिशासी अभियंता जोन-3 नजमी मुजफ्फर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।निरीक्षण की शुरुआत टेढ़ी पुलिया चौराहे से इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे के बीच सर्विस रोड किनारे चल रहे नाला सफाई कार्य से हुई। नगर आयुक्त ने बकेट मशीन से की जा रही सफाई का अवलोकन करते हुए कार्य को निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।इसके बाद छुइयापुरवा चौराहे से अलीशा नगर चौराहे तक नाले की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि नालों की सफाई को और प्रभावी बनाया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः विशेष सफाई अभियान चलाया जाए, जिससे जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह सुचारु बनी रहे।लखनऊ विश्वविद्यालय न्यू कैंपस के निकट रेलवे पुलिया से बिठौली चौराहे तक स्थित नाले का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान कुछ स्थानों पर फ्लोटिंग मटेरियल पाए जाने पर नगर आयुक्त ने तत्काल सफाई कराने और नाले की दोबारा समुचित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान किसी भी स्थिति में जलभराव की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नालों की कवरिंग हटाकर अंदर तक गहन सफाई की जाए तथा सफाई के बाद कवरिंग को व्यवस्थित रूप से पुनः स्थापित किया जाए। साथ ही नाला सफाई के दौरान निकलने वाली सिल्ट को समयबद्ध तरीके से हटाने और किसी भी स्थान पर उसका ढेर न लगने देने पर भी जोर दिया गया।

## महिगवां पुलिस की सतर्कता से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हुई मोटरसाइकिल बरामद, झाड़ियों में मिली बाइक

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** थाना महिगवां पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हुई एक मोटरसाइकिल को सकुशल बरामद कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 06/07 जून 2026 को ग्राम मवईकला क्षेत्र से हीरो पैशन प्रो (नीले रंग की) मोटरसाइकिल संख्या यूपी41क्यू8352 संदिग्ध अवस्था में लापता हो गई थी। यह वाहन मूल रूप से जनपद बाराबंकी के थाना फतेहपुर अंतर्गत ग्राम बल्लीपुर निवासी राम चन्द्र यादव पुत्र महादीन यादव के नाम पंजीकृत था, जिसे बाद में ग्राम खंतारी निवासी भाईलाल ने खरीदा था।मोटरसाइकिल के गायब होने के संबंध में भाईलाल द्वारा थाना महिगवां पर लिखित तहरीर दी गई, जिसके आधार पर थानाध्यक्ष राधेश्याम मौर्य के निर्देशन में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने

मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल खोजबीन प्रारंभ की और आसपास के क्षेत्रों में लगातार जांच-पड़ताल, गश्त एवं सूचनाओं के आधार पर तलाश अभियान चलाया।पुलिस की सक्रियता के परिणामस्वरूप 08 जून 2026 को थाना महिगवां पुलिस को सफलता प्राप्त हुई और उक्त मोटरसाइकिल ग्राम मवईकला मोड़ के पास सड़क किनारे झाड़ियों में संदिग्ध अवस्था में बरामद कर ली गई। मौके पर जांच के दौरान किसी प्रकार की आपराधिक घटना कारित होने की पुष्टि नहीं हुई।बरामद मोटरसाइकिल को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत उसके स्वामी/कब्जेदार सौरभ पुत्र भाईलाल, निवासी ग्राम खंतारी थाना महिगवां, लखनऊ को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई और समन्वित प्रयासों से वाहन की शीघ्र बरामदगी होने पर क्षेत्र में राहत की भावना देखी गई।

थाना महिगवां पुलिस की इस सफलता में थानाध्यक्ष राधेश्याम मौर्य के साथ उपनिरीक्षक जगमोहन दुबे, कांस्टेबल लाल बहादुर तथा कांस्टेबल अरविन्द कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में इस प्रकार की घटनाओं पर नियंत्रण और नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित गश्त और सतर्कता अभियान लगातार जारी रहेगा।

### प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सैकड़ों लोगों ने ग्रहण की सदस्यता, भाजपा सरकार पर हमला, जनसमर्थन बढ़ने का दावा

**लखनऊ।** प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को एक बड़ा राजनीतिक आयोजन देखने को मिला, जहां सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बरेली सहित विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, पूर्व बीडीसी सदस्य सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल रहे।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों और शीर्ष नेतृत्व—कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी—के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए पार्टी की विचारधारा में विश्वास जताया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री ने किया। इस अवसर पर सीतापुर से सांसद राकेश राठौर भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## ऑपरेशन मुस्कान के तहत लखनऊ पुलिस को बड़ी सफलता, करीब दो वर्ष से लापता किशोरी सकुशल बरामद

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** गुमशुदा एवं बिछड़े हुए बच्चों की खोज, बरामदगी एवं पुनर्वास के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) को एक और महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना बीबीडी पर दर्ज मुकदमा संख्या 138/2024 धारा 137(2) बीएनएस से संबंधित लगभग 16 वर्षीय गुमशुदा किशोरी को पुलिस ने 09 जून 2026 को सकुशल बरामद कर लिया है।जानकारी के अनुसार, उक्त किशोरी 02 सितंबर 2024 को थाना बीबीडी क्षेत्र से गुमशुदा हो गई थी, जिसके संबंध में मामला दर्ज किया गया था। प्रकरण की विवेचना बाद में थाना एएचटीयू को स्थानांतरित की गई, जिसके बाद पुलिस टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण, खुफिया सूचना, मुखबिर तंत्र के सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न संभावित स्थानों पर लगातार फील्ड वेरिफिकेशन के माध्यम से तलाश अभियान चलाया जा रहा था।पुलिस को प्राप्त महत्वपूर्ण सूचनाओं और सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप किशोरी को थाना बीबीडी क्षेत्र से ही सकुशल बरामद कर लिया गया। मामले में आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत एएचटीयू टीम द्वारा इस माह यह दूसरी बड़ी सफलता है। इससे पूर्व 04 जून 2026 को एक महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर दिल्ली से एक नाबालिग बालक को सकुशल रेस्क्यू कर उसके परिजनों से मिलवाया गया था। वहीं हाल ही में लगभग चार वर्षों से लापता एक अन्य बालिका को भी सकुशल बरामद कर उसके परिवार से पुनर्मिलन कराया गया था।लखनऊ पुलिस के अनुसार, इन लगातार सफलताओं से यह स्पष्ट है कि तकनीकी संसाधनों, खुफिया तंत्र, अंतरराज्यीय समन्वय और संवेदनशील पुलिसिंग के माध्यम से गुमशुदा बच्चों की बरामदगी एवं मानव तस्करी की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्य किया जा रहा है।इस संबंध में अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध), कमिश्नरेट लखनऊ किरन यादव, आईपीएस ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान केवल एक पुलिस अभियान नहीं, बल्कि बिछड़े हुए बच्चों को उनके परिवारों से पुनः मिलाने का एक मानवीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि एएचटीयू टीम लगातार तकनीकी विश्लेषण और इंटेलिजेंस आधारित पुलिसिंग के माध्यम से सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल विवाह, जबरन भिक्षावृत्ति या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो लखनऊ पुलिस की ऑर्गेनाइज्ड क्राइम हेल्पलाइन 7839861034 पर सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

## संक्षेप

### हरदोई में एसडीएम पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक: बसपा प्रमुख मायावती ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद में शाहाबाद के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सुशील मिश्रा पर सरकारी निरीक्षण के दौरान दबंगों द्वारा ईंट-पत्थरों से किए गए कथित जानलेवा हमले की घटना पर राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। इस घटना में एसडीएम के घायल होने और उनके उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराए जाने की सूचना है।इस मामले को गंभीर और चिंताजनक बताते हुए बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष Mayawati ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि प्रदेश में प्रशासनिक कार्यों के दौरान अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है।मायावती ने अपने बयान में कहा कि सरकारी निरीक्षण के दौरान इस प्रकार का हमला प्रशासनिक व्यवस्था को कमजोर करने वाला है और इससे अराजक तत्वों के हौसले बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाए जाने आवश्यक हैं, ताकि सरकारी कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सकें और प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनी रहे।उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार को जनहित को ध्यान में रखते हुए इस मामले में गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।फिलहाल घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और पुलिस द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है।

### यूपी पॉलीटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2026 का सफल समापन, परिणाम 20 जून तक घोषित होगा

**लखनऊ।** संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद (पॉलीटेक्निक), उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के राजकीय, अनुदानित, पीपीपी मोड एवं निजी क्षेत्र की पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभिन्न डिप्लोमा एवं पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)-2026 का सफल, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण समापन हो गया है।यह परीक्षा 02 जून से 09 जून 2026 तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थापित परीक्षा केंद्रों पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली के माध्यम से आयोजित की गई। तकनीकी शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी इस महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों को इंजीनियरिंग, फार्मेसी, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, परिधान प्रौद्योगिकी तथा होटल प्रबंधन सहित विभिन्न रोजगारोन्मुखी एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अवसर प्राप्त होता है।परीक्षा का आयोजन पूर्णतः कंप्यूटर आधारित होने के कारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ रही। परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु सभी केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षित प्रवेश व्यवस्था एवं तकनीकी सहायता टीमों की तैनाती की गई। परिषद मुख्यालय, लखनऊ से पूरी परीक्षा प्रक्रिया की सतत निगरानी की गई तथा किसी भी तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या के त्वरित समाधान के लिए नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहा।जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, केंद्र व्यवस्थापकों तथा परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से परीक्षा का सफल आयोजन संभव हो सका। आंकड़ों के अनुसार इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम (समूह-ए) में 2,07,229 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1,67,921 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए।

## मौरंग लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से नर्सिंग स्टाफ की दर्दनाक मौत, सड़क हादसे से क्षेत्र में शोक

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** आज 09 जून 2026 को सुबह करीब 08:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में विकल्प अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ साधना पुत्री राम विशुन (उम्र लगभग 26 वर्ष), निवासी पनापुर कलां लगलेसरा, जनपद उन्नाव की मौत हो गई। हादसा जॉगर्स चौराहे पर उस समय हुआ जब वह अपनी शिफ्ट समाप्त कर पैदल घर लौट रही थीं।जानकारी के अनुसार, साधना सड़क पार कर रही थीं तभी मौरंग से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली संख्या यूपी32एलपी1910 ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रॉली अनियंत्रित होकर उनके ऊपर पलट गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना में उनके सिर एवं पैरों में गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बुरी तरह फंस गईं।स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल ट्रॉली के नीचे से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में उपचार के लिए विकल्प अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की प्रक्रिया पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया है। मृतका के सहकर्मियों और स्थानीय लोगों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पुलिस द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की भूमिका एवं घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

## मड़ियांव पुलिस की बड़ी सफलता : नकली करेंसी का भंडाफोड़, 03 अभियुक्त गिरफ्तार

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** थाना मड़ियांव पुलिस टीम ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए नकली करेंसी को असली नोट में बदलने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में नकली भारतीय मुद्रा बरामद की है, जिससे क्षेत्र में सक्रिय इस संगठित गिरोह का खुलासा हुआ है।जानकारी के अनुसार, दिनांक 08.06.2026 को थाना मड़ियांव पुलिस टीम देखभाल क्षेत्र, रोकथाम अपराध एवं वांछित/वारंटी की तलाश में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि घैला पुल के पहले दाहिनी ओर एक खाली मैदान में स्थित टीन शेड के पास तीन व्यक्ति नकली करेंसी के साथ किसी ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना

पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर दबिश देकर तीनों व्यक्तियों को पकड़ लिया।पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान आलोक सिंह पुत्र स्व. देवेंद्र सिंह निवासी गम्भीरवन थाना जहानागंज जनपद आजमगढ़ (उम्र 21 वर्ष), सोनू गौंड उर्फ गोलू पुत्र बेचू गौंड निवासी ग्राम रामपुर मुबारक पट्टी बनकट थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ (उम्र 25 वर्ष) तथा बृजेश विश्वकर्मा पुत्र स्व. बालचन्द्र विश्वकर्मा निवासी सारगढ थाना सिधारी जनपद आजमगढ़ (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है।तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से 500 रुपये के 1402 नकली नोट (14 गड्डी) तथा 100 रुपये के 6946 नकली नोट (70 गड्डी) बरामद किए गए, जिनकी कुल नकली मुद्रा राशि लगभग 13,95,600 रुपये बताई गई है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गिरोह के सदस्य नकली नोटों को बाजार में असली करेंसी के रूप में बदलकर कमीशन प्राप्त करते थे और इसी अवैध कमाई से अपने शौक पूरे करते थे। अभियुक्तों को उनके अपराध से अवगत कराते हुए धारा 179/180 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर हिरासत में लिया गया तथा थाना मड़ियांव में मुकदमा संख्या 273/2026 पंजीकृत किया गया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त सोनू गौंड उर्फ गोलू का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसके संबंध में अन्य जनपदों से जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।इस कार्रवाई के तहत बरामद नकली करेंसी में 500 रुपये के 1402 नोट और 100 रुपये के 6946 नोट शामिल हैं। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी कब्जे में लिया है।पुलिस उपायुक्त उत्तरी ने इस सराहनीय कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को 10,000 रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक शिवानन्द मिश्र, उपनिरीक्षक नितिन कुमार, अखिलेश सिंह, शुभम तिवारी (थाना अलीगंज), पुष्पेन्द्र चौधरी, ज्ञानेन्द्र झौंड, सत्येन्द्र कुमार सहित कुल 15 पुलिसकर्मी शामिल रहे।

## आईक्यूएसी बैठक में विश्वविद्यालय की गुणवत्ता सुधार, डिजिटल शिक्षा और अनुसंधान सशक्तिकरण पर जोर

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 9 जून को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इस अवसर पर डीन ऑफ अकैडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू, कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, आईक्यूएसी के बाहरी सदस्य अतुल कुमार दुबे तथा निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, प्रशासनिक प्रक्रियाओं, अभिलेख प्रबंधन, वैश्विक रैंकिंग, आंकड़ों तथा शोध एवं शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक को

संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि विश्वविद्यालय में परिणाम आधारित शिक्षा (आउटकम आधारित शिक्षा) को प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक क्षमता का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक नीतियों में सामाजिक मूल्यों, आध्यात्मिक दृष्टिकोण और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास को भी शामिल किया जाना चाहिए। इसके लिए सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अन्य हितधारकों के समन्वय से स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने की आवश्यकता है।उन्होंने आगामी समय में पाठ्यक्रमों के व्यापक पुनरीक्षण पर बल देते हुए कहा कि इन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, सतत विकास लक्ष्यों और परिणाम आधारित शिक्षा के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। साथ ही उन्होंने शैक्षणिक कार्यों के डिजिटलीकरण, स्व-अध्ययन सामग्री के विकास, ऑनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के विस्तार तथा शिक्षकों द्वारा व्याख्यान रिकॉर्ड कर विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय और समाज के बीच संबंधों को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया, जिससे विद्यार्थियों के माध्यम से समाज और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित हो सके।उन्होंने कहा कि शोध कार्यों को समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान से जोड़ा जाना चाहिए, जिससे उनकी सामाजिक और आर्थिक उपयोगिता सुनिश्चित हो सके। इसके लिए शिक्षकों को विद्यार्थियों का प्रभावी मार्गदर्शन करना होगा। कुलपति ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सेक्शन-8 कंपनी की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है।आईक्यूएसी निदेशक प्रो. शिल्पी वर्मा ने बैठक में प्रकोष्ठ की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने विभिन्न गुणवत्ता संवर्धन गतिविधियों, रणनीतिक बैठकों तथा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप तैयार रोडमैप की जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय नवाचार, उद्यमिता और सतत विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

### बड़े मंगल पर राजधानी में भक्ति का माहौल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भंडारों में हुए शामिल

**लखनऊ।** ज्येष्ठ माह के छठवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर राजधानी लखनऊ में विभिन्न स्थानों पर सुंदरकांड पाठ और भंडारों का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और उन्नति की कामना की।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सबसे पहले प्रातः रोटरी नंबर 14, जान्हवी एन्क्लेव चौराहा, अवध विहार योजना में आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं भंडारे में पहुंचे। यह आयोजन कांग्रेस के विचार विभाग के उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव तथा अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर अनामिका यादव द्वारा किया गया था। यहां उन्होंने सुंदरकांड पाठ में भाग लिया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।इसके बाद अजय राय हजरतगंज स्थित उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब पहुंचे, जहां वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह द्वारा आयोजित भंडारे में उन्होंने सहभागिता की।

# आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने मायने क्या हैं?

राहुल गांधी की 'आर्थिक सुनामी' वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में 'आर्थिक सुनामी' आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त 'शॉक एब्जॉर्बर' हैं—विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं—जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियाँ हैं: जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते।

जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी। बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। निवेश और उपभोग में तीव्र कमी। इतिहास में Great Depression (1930 का दशक) और Global Financial Crisis (2008) जैसी घटनाओं को आर्थिक सुनामी के उदाहरण माना जा सकता है। किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे—वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसी ताकतें भी हैं जो बड़े झटकों को सहने में मदद करती हैं— जैसे- विशाल घरेलू बाजार। अपेक्षाकृत मजबूत बैंकिंग और नियामक व्यवस्था। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं—जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न। इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो 'पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी' या 'कभी नहीं आएगी'— दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं। भारत की आर्थिक स्थिति कई संकेतकों पर अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, लेकिन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह यह वैश्विक और घरेलू जोखिमों से पूरी तरह मुक्त नहीं है। आर्थिक सुनामी की संभावना मुख्यतः नीतियों, वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य की घटनाओं पर निर्भर करेगी, न कि केवल किसी एक नेता की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर।

'आर्थिक सुनामी' एक रूपक है, जिसका अर्थ है ऐसा व्यापक और तीव्र आर्थिक संकट जो समाज, बाजार, उद्योग, रोजगार और सरकार की वित्तीय स्थिति को एक साथ प्रभावित कर दे। जिस प्रकार समुद्री सुनामी अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को झकझोर देती है, उसी प्रकार आर्थिक सुनामी भी अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों पर गहरा असर डालती है। आइए जानते हैं आर्थिक सुनामी के प्रमुख संकेत के बारे में- पहला, शेयर बाजार में भारी गिरावट। दूसरा, निवेशकों की संपत्ति तेजी से घटती है। तीसरा, कंपनियों का बाजार मूल्य कम हो जाता है। चौथा, बेरोजगारी में तेज वृद्धि। पांचवां, उद्योगों और कंपनियों में छंटनी बढ़ती है। छठा, नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ जाती है। सातवां, बैंकिंग और वित्तीय संकट। आठवां, ऋण वसूली की समस्या बढ़ती है। नौवां, बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर दबाव आता है। दसवां, मुद्रा और महंगाई पर असर। दसवां, राष्ट्रीय मुद्रा कमजोर हो सकती है।

# तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन: हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी का नया अध्याय

भारत की आर्कटिक नीति भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारतीय मानसून, कृषि, जल सुरक्षा और समुद्री तटीय क्षेत्रों पर पड़ सकता है।

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलते परिदृश्य के बीच भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं। 19 मई 2026 को नॉर्वे की राजधानी ह्लद्यद्यश में आयोजित तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने इस साझेदारी को हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास के व्यापक आयामों तक विस्तार देने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह सम्मेलन केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जलवायु परिवर्तन, आर्कटिक नीति, समुद्री अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, रक्षा उत्पादन और प्रतिभा गतिशीलता जैसे भविष्य-निर्धारक विषयों पर भी केंद्रित रहा।

भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग की शुरुआत वर्ष 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से हुई थी। तब से यह संबंध पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है। नॉर्डिक देशों की उन्नत तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विशाल बाजार क्षमता, युवा प्रतिभा तथा विनिर्माण शक्ति ने इस सहयोग को नई दिशा दी है।

भारत की आर्कटिक नीति भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारतीय मानसून, कृषि, जल सुरक्षा और समुद्री तटीय क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी कारण भारत ने अपनी आर्कटिक नीति भारत और आर्कटिकः सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता दी है। नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ता सहयोग इस नीति को व्यावहारिक आधार प्रदान करता है।

नॉर्डिक देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। डेनमार्क के साथ भारत का वस्तु व्यापार 2025 में 2 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया, जबकि सेवाओं का व्यापार 4.25 अरब डॉलर तक पहुंचा। डेनमार्क की लगभग 200 कंपनियां भारत में नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरी विकास और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वहीं भारतीय कंपनियां भी आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही हैं। फिनलैंड के साथ तकनीकी और नवाचार आधारित सहयोग तेजी से बढ़ा है। फिनलैंड की 100 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय निवेश भी लगातार बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीक, 6जी अनुसंधान और स्टार्ट-अप सहयोग इस संबंध का प्रमुख आधार बन रहे हैं।

आइसलैंड के साथ भारत ने भूतापीय ऊर्जा, मत्स्य पालन और आर्कटिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। वहीं नॉर्वे के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा और आर्कटिक सहयोग को नई गति मिली है। नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल द्वारा भारतीय पूंजी बाजार में लगभग 28 अरब डॉलर का निवेश इस बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। स्वीडन के साथ भारत का व्यापार लगभग 7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। स्वीडन की 280 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी वहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। रक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल तकनीक दोनों देशों के सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं।

भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, संगीत, नृत्य और भारतीय त्योहारों ने नॉर्डिक समाज में विशेष स्थान बनाया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और नॉर्वे के शहरों में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। नमस्ते स्टॉकहोम जैसे सांस्कृतिक आयोजन हजारों लोगों को आकर्षित करते हैं।

इन देशों में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत सांस्कृतिक पुल का कार्य किया है। स्वीडन में लगभग 88 हजार, फिनलैंड में 33 हजार और नॉर्वे में 30 हजार भारतीय समुदाय आर्थिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम भारत-नॉर्डिक हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी के रूप में सामने आया। इस पहल के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, डिजिटल अवसंरचना, सतत विनिर्माण और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

यह साझेदारी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, हरित रोजगार सृजित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके अतिरिक्त जल प्रबंधन और संसाधन पुनर्चक्रण में नॉर्डिक विशेषज्ञता भारत के शहरी और औद्योगिक विकास को टिकाऊ बनाने में सहायक होगी।

एसटीईएम शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार हैं। भारत और नॉर्डिक देशों ने अगली पीढ़ी की संचार तकनीकों, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य-तकनीक और ध्रुवीय अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। इससे भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं को वैश्विक अनुसंधान वातावरण में अधिक अवसर मिलेंगे। 6जी तकनीक और डिजिटल अवसंरचना पर संयुक्त अनुसंधान भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होगा। साथ ही, यह तकनीकी हस्तांतरण और नवाचार आधारित उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगा। सामुद्रिक अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा भी भारत-नॉर्डिक सहयोग का उभरता हुआ क्षेत्र है। समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग, समुद्री संपर्क और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति ने नॉर्डिक देशों के साथ रक्षा उत्पादन और तकनीकी सहयोग के नए अवसर खोले हैं। इससे घरेलू रक्षा उत्पादन, अनुसंधान और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

भारत और नॉर्डिक देशों के बीच विकसित हो रही यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर सतत विकास, हरित अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग का एक नया मॉडल बनकर उभर रही है। भारत की विशाल क्षमता और नॉर्डिक देशों की नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था मिलकर भविष्य की ऐसी साझेदारी का निर्माण कर रही हैं, जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी प्रगति साथ-साथ आगे बढ़ते हैं।

तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में यह संबंध व्यापारिक सहयोग से आगे बढ़कर वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप में स्थापित होगा। हरित प्रौद्योगिकी, डिजिटल नवाचार और मानव-केंद्रित विकास के क्षेत्र में यह गठबंधन आने वाले समय में विश्व व्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

## टिप्पणी

# अंधकारमय सच्चाई उजागर

सिर्फ विजय या स्टालिन को ही दोष क्यों दिया जाए? किसी राज्य या यहां तक कि केंद्र के बजट पर गौर करें, तो यही कहानी घटित होती दिखती है। पैसा बांटो, वोट खरीदो- सबका मकसद है।

तमिलनाडु की सत्ता संभालते ही सी. जोसेफ विजय ने वो रोना रो दिया, जो अब राज्यों में बनने वाली हर नई सरकार के मुखिया करते हैं! आरोप लगाया कि पूर्व डीएमके सरकार राजकोष को बदहाल छोड़ गई है, जिसका ब्योरा उनकी सरकार एक श्वेत पत्र जारी कर देगी। कहा कि राज्य पर दस लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इसके बावजूद थलापति (कमांडर) पुकारे जाने वाले नए मुख्यमंत्री ने 200 यूनिट फ्री बिजली देने का एलान कर दिया। इससे हर साल 1,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का नया बोझ राजकोष पर पड़ेगा। वैसे, यह सिर्फ झांकी है। वादों की अपनी लंबी लिस्ट को उन्होंने निभाया, तो उस पर सालाना एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च आएगा।

3.31 लाख करोड़ रुपये के बजट वाले इस राज्य में फिलहाल 65 हजार करोड़ रुपये की वो कल्याण योजनाएं भी हैं, जिन्हें डीएमके सरकार ने शुरू किया था। जिस राज्य में राजस्व का 62 फीसदी हिस्सा तनख्वाह, पेंशन, और ब्याज चुकाने पर खर्च होता हो, वहां ऐसा जन कल्याण सिर्फ नया ऋण लेकर ही किया जा सकता है! हर कर्ज बुरा नहीं होता, बशर्ते उसका इस्तेमाल अर्थव्यवस्था एवं समाज की बुनियाद मजबूत करने के लिए किया जाए। इससे भविष्य में राजस्व बढ़ता है, जिससे विकसित समाज बनाने का मार्ग प्रशस्त होता है। जबकि ऋण लेकर उपभोग में खर्च करना असल में भविष्य को दांव पर लगाना होता है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्टालिन हों या विजय, अथवा अन्य राजनीतिक दल एवं नेता- इस अनुभव सिद्ध तथ्य को नजरअंदाज किए रहते हैं। याद करने योग्य है कि 2021 में मुख्यमंत्री बनने पर डीएमके नेता एम.के. स्टालिन ने पूर्व एडीएमके सरकार पर खाली खजाना छोड़ जाने का आरोप लगाया था। मगर, नकदी ट्रांसफर की अपनी योजनाएं चलाने से वे बाज नहीं आए। वैसे सिर्फ उन्हें या विजय को ही दोष क्यों दिया जाए? किसी राज्य या यहां तक कि केंद्र के बजट पर गौर करें, तो यही कहानी घटित होती दिखती है। बुनियाद मजबूत करना आज किसी की प्राथमिकता नहीं है। पैसा बांटो, वोट खरीदो- सबका मकसद है। हर श्वेत पत्र इसी अंधकारमय सच्चाई को उजागर करता है।

## ब्लॉग

# एआई का जनजातीय भाषाओं में संवाद: समावेशी विकास का द्योतक

**श्रीमती रंजना चोपड़ा**

हमारे देश भर में फैले जंगलों, पहाड़ियों और दूरदराज की बस्तियों में, एक शांत लेकिन सफल परिवर्तन चल रहा है। जनजातीय समुदाय लंबे समय से भारत की विकास गाथा के केंद्र में अपने उचित स्थान का इंतजार कर रहे थे। आज वे राष्ट्र की प्रगति के सक्रिय वास्तुकार के रूप में उभर रहे हैं। जनजातीय गरिमा उत्सव की यही भावना हैः विकसित भारत की यात्रा का एक राष्ट्रीय उत्सव, जहां प्रगति भूगोल या परिस्थिति का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का समान रूप से अधिकार है।

यह समझने के लिए कि प्रौद्योगिकी जनजातीय विकास के लिए अपरिहार्य क्यों हो गई है, किसी को पहले चुनौती की व्यापकता को समझना चाहिए। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए), राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन और संबंधित पहलों में 549 जिलों और 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 2,911 ब्लॉकों के 63,000 से अधिक गांवों को शामिल किया गया है, जिससे 5.5 करोड़ से अधिक आदिवासी नागरिक लाभान्वित हुए हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर विशेष ध्यान देने के साथ, इन प्रयासों का उद्देश्य आवास, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कनेक्टिविटी और आजीविका जैसी आवश्यक सेवाओं का सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना है। इस तरह के विविध और विस्तृत इलाके में हर परिवार तक पहुंचने के लिए ऐसी प्रणाली की आवश्यकता होती है जो डेटा-संचालित, कनेक्टेड और उत्तरदायी होती है और यही हम तैयार कर रहे हैं। इस वर्ष जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन लगभग चार विषयगत सप्ताह के आसपास किया जा रहा है, जो एक साथ जनजातीय विकास के पूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। उद्घाटन का विषय, विकास के एक वाहक के रूप में प्रौद्योगिकी, इस बात को दर्शाता है कि कैसे डिजिटल सिस्टम, विज्ञान और नवाचार भारत के कुछ दूरस्थ समुदायों तक शासन और अवसर का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं। इस दृष्टिकोण के केंद्र में एक सरल सिद्धांत निहित हैः जनजातीय भाषाओं, संस्कृतियों, विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का पर्याप्त सम्मान करते हुए विकास को अंतिम दूरी तक पहुंचना चाहिए।

उद्देश्य के साथ निर्देशित होने पर प्रौद्योगिकी क्या हासिल कर सकती है, इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण बिरसा 101 यानी सिकल सेल रोग के लिए भारत की पहली स्वदेशी सीआरआईएसपीआर-आधारित जीन थेरेपी है। सिकल सेल रोग लंबे समय से जनजातीय आबादी के लिए स्वास्थ्य की एक बड़ी चुनौती पेश कर रहा है और भारत अब समानता और पहुंच में निहित उन्नत विज्ञान के साथ उस चुनौती का जवाब दे रहा है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से अनुसंधान, नैदानिक परीक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। सीएसआईआर-आईजीआईबी में हाल ही में एक संगोष्ठी में वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और सिकल सेल योद्धाओं को एक साथ लाया गया, जो वैज्ञानिक प्रगति और प्रयासों के पीछे की मानवीय तात्कालिकता दोनों को दर्शाता है।

साझा लक्ष्य स्पष्ट हैः एक किफायती, एकमुश्त उपचारात्मक उपचार विकसित करना जो जरूरतमंद हर आदिवासी परिवार तक पहुंच सके। बीआईआरएसए 101 केवल चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि से भी बढ़कर है। यह एक घोषणा है कि भारत का सबसे उन्नत विज्ञान अपने सबसे पात्र समुदायों की सेवा करेगा।

यह दृढ़ विश्वास एक पहल से कहीं अधिक गहरा है। ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) और आयुर्जेनोमिक्स जैसे प्रयास दर्शाते हैं कि कैसे आधुनिक तकनीक आदिवासी समुदायों द्वारा लंबे समय से संरक्षित समृद्ध औषधीय और पारिस्थितिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण, मान्यीकरण और संरक्षण में मदद कर सकती है।

समावेशन की यही भावना इस बात को आकार दे रही है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जनजातीय विकास के साथ जोड़ा जा रहा है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में, मंत्रालय ने एक सरल लेकिन दृढ विश्वास पर आधारित एआई-सक्षम प्लेटफार्मों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि भाषा एक बाधा नहीं है जिसे दूर किया जाना है, बल्कि एक पहचान है जिसका उत्सव मनाया जाना चाहिए। आदि वाणी, जनजातीय भाषाओं के लिए एआई-संचालित अनुवादक, टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच अनुवाद, ओसीआर और आदिवासी भाषाओं में सरकारी योजना की जानकारी के वितरण का समर्थन करता है, जिससे नागरिकों को घर पर बोलने वाली भाषा में सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ने में सक्षम बनाया जाता है। ट्राइबॉट एक बहुभाषी संवादी एआई सहायक है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को तत्क्षण मार्गदर्शन और शिकायत निपटारे में सहायता प्रदान करके इस प्रयास को और मजबूत करता है। भगवान बिरसा मुंडा सेल और आईआईटी दिल्ली के साथ आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भी इन प्रयासों पर चर्चा की गई, जो जनजातीय भाषाओं के दीर्घकालिक संरक्षण और सुदृढ़ीकरण सहित एआई के सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और समुदाय-केंद्रित इस्तेमाल पर केंद्रित थी।

प्रौद्योगिकी सांस्कृतिक अभिकथन और आर्थिक सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली माध्यम भी बन रही है। आगामी ट्राइबएक्स प्लेटफॉर्म का उद्देश्य जनजातीय कलाओं, भाषाओं, पारंपरिक ज्ञान, संगीत, शिल्प और सांस्कृतिक अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम बनाना है। इस प्रयास को पूरा करते हुए, जनजातीय भारत का प्रस्तावित जीआई संभावित कला और शिल्प एटलस भौगोलिक संकेत क्षमता के साथ जनजातीय हस्तशिल्प, वन उत्पादों और पारंपरिक कला रूपों का डिजिटल रूप से मानचित्रण करेगा, जिससे ब्रांडिंग, बाजार पहुंच और जनजातीय बौद्धिक विरासत की पहचान को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पायलट आधार पर पांच राज्यों के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों में इनोवेशन हब की योजना बनाई गई है, जो नवाचार के नेतृत्व वाले आदिवासी उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए डिजाइन और उत्पाद विकास सहायता, जीआईएस-आधारित योजना डैशबोर्ड और इनक्यूबेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़कर और आगे बढ़ेंगे।

प्रौद्योगिकी जनजातीय समुदायों तक शासन के तरीके को समान रूप से बदल रही है। पीवीटीजी घरेलू सर्वेक्षणों के लिए पीएम-जनमन के तहत सर्वेक्षण सेतु दूरदराज के क्षेत्रों में कल्याण वितरण की तत्क्षण, जियो-टैग निगरानी को सक्षम बनाता है। 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में संचालित, इस प्लेटफॉर्म ने 8,552 सर्वेक्षणकर्ताओं के समर्थन के साथ पहले ही 3.43 लाख घरेलू प्रस्तुतियां दर्ज की हैं। इस तरह की डेटा-संचालित प्रणालियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि प्रत्येक पात्र परिवार की पहचान की जाए और उसे आवश्यक सेवाओं से जोड़ा जाए। इसके साथ ही मंत्रालय दावा प्रस्तुतीकरण, जीआईएस-आधारित मानचित्रण, वर्कफ्लो की निगरानी और शिकायत निवारण को सुव्यवस्थित करने के लिए एक एआई-सक्षम वन अधिकार अधिनियम शासन मंच विकसित कर रहा है। साथ में, ये पहल आदिवासी नागरिकों के लिए शासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और सुलभ बना रही हैं।

एक क्षण ऐसा होता है, जो उस सार को पकड़ लेता है, जिसके लिए हम काम कर रहे होते हैं। यह किसी नीतिगत दस्तावेज या मंत्रिस्तरीय समीक्षा में नहीं पाया जाता है। यह तब पाया जाता है जब दूरदराज की बस्ती की एक आदिवासी महिला, तकनीक से, भाषा से सशक्त होती है और उसे इस बात का अहसास होता हो कि उसकी बात को राष्ट्र सुन रहा है। ऐसे में वह अपनी शर्तों पर सरकारी सेवाओं से जुड़ती है और पूरी गरिमा के साथ जवाब प्राप्त करती है। वह क्षण किसी यात्रा का अंत नहीं है। यह भारत की राष्ट्रीय गाथा में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

जनजातीय गरिमा उत्सव इस संदेश को गर्व के साथ ले जाता है। जनजातीय समुदाय, अपनी दृढ़ता, अपने पारिस्थितिक ज्ञान, अपनी कलात्मक परंपराओं और इस भूमि में अपनी गहरी जड़ों के साथ, विकसित भारत की दहलीज पर इंतजार नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इसके सबसे शक्तिशाली और प्रेरक वाहकों में शामिल हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी दूरियों को पाटती है, जैसे-जैसे विज्ञान उपचार प्रदान करता है, जैसा कि एआई जंगलों और पहाड़ियों की भाषाओं में बोलता है, और जैसे-जैसे शासन सबसे दूर के गांव के अंतिम परिवार तक पहुंचता है, हम हर दिन भारत के करीब आते हैं जो न केवल व्यापकता के रूप में विकसित है, बल्कि अपनी मानवता में परिपूर्ण है। यह वह विकसित भारत है जिसे हम माननीय प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर एक साथ मिलकर निर्मित कर रहे हैं।

**(लेखिका भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव हैं)**

# पत्नी को परीक्षा दिलाने आया था युवक, साले ने सिर में मार दी गोली, 4 महीने पहले की थी लव मैरिज

आर्यावर्त संवाददाता

**सहारनपुर।** सहारनपुर में पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अपनी पत्नी को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने आए 24 वर्षीय युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पत्नी ने अपने सगे भाई पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद परीक्षा केंद्र और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

शामली जिले के बाबरी थाना क्षेत्र निवासी शिव कुमार (24) पुत्र शैलेश कुमार अपनी पत्नी आकांक्षा के साथ थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र स्थित गोचर इंटर कॉलेज पहुंचा था। यहां उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही थी। आकांक्षा परीक्षा देने के लिए केंद्र के अंदर चली गई, जबकि शिव कुमार बाहर उसका इंतजार कर रहा था।

### एग्जाम सेंटर के बाहर सिर में गोली मारी

बताया जा रहा कि इसी दौरान वहां पहुंचे मंजीत नाम के युवक ने शिव कुमार को निशाना बनाया। आरोप है कि मंजीत ने शिव कुमार के सिर पर बेहद करीब से गोली मार दी। गोली लगते ही शिव मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना से वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी आकांक्षा ने पुलिस को दिए बयान में अपने भाई मंजीत पर हत्या का आरोप लगाया है।

### आकांक्षा ने 4 महीने पहले लव मैरिज की थी

आकांक्षा का कहना है कि उसने करीब चार महीने पहले शिव कुमार से प्रेम विवाह किया था। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे, लेकिन उसके परिवार के कुछ सदस्य इस रिश्ते के खिलाफ थे। शादी के बाद से ही दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। आकांक्षा का आरोप है कि प्रेम विवाह से नाराज उसका भाई मंजीत लगातार इस रिश्ते का विरोध कर रहा था। उसने पुलिस को बताया कि इसी रंजिश के चलते उसके भाई ने उसके पति की गोली मारकर हत्या कर दी।

### DIG अभिषेक सिंह ने दी जानकारी

वहीं मृतक के परिजनों ने भी हत्या के पीछे पारिवारिक रंजिश को वजह बताया है। मृतक के भाई शिवम कुमार ने भी पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद पुलिस ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है।

वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद DIG अभिषेक सिंह भी अस्पताल पहुंचे और पीड़िता आकांक्षा से बातचीत की। DIG अभिषेक सिंह ने बताया कि शिव कुमार ओर आकांक्षा एक ही गांव के रहने वाले हैं। दोनों ने कुछ महीने पूर्व प्रेम विवाह किया था। आकांक्षा के परिवार वाले इस विवाह से खुश नहीं थे। आकांक्षा ने अपने सगे भाइयों, अपनी मां और अपने मामाओं पर पति शिव कुमार की हत्या का आरोप लगाया है। आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है।

### पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार , भीषण गर्मी

**जौनपुर।** भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। जिले में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अस्पतालों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग दिन के समय घरों से निकलने से बच रहे हैं। सुबह 10 बजे के बाद ही सड़कें सूनी दिखाई देने लगती हैं। वहीं, शीतल पेय पदार्थों की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है, जो गर्मी से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं। मंगलवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान 15 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गर्म हवाएं चलीं। रात में भी बढ़ते तापमान के कारण लोगों को गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिल पा रही है।चिकित्सकों ने भीषण गर्मी से बचाव के लिए लोगों को आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी है। मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी आने की संभावना है।

## बरेली में आई क्रस्ट स्टोर मालिक आशुतोष अग्रवाल के घर ED का छापा, फोन लाइन काटी, मनी लॉनड्रिंग की आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

**बरेली।** सिविल लाइंस स्थित आई क्रस्ट स्टोर के मालिक आशुतोष अग्रवाल के घर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी कर दी है। ये छापेमारी मनी लांड्रिंग की आशंका के चलते की गई है।

मंगलवार को ईडी की टीम ने पंजाब के लुधियाना और जालंधर, उत्तर प्रदेश के बरेली तथा दिल्ली–नोएडा क्षेत्र में कुल छह जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इन ठिकानों में जांच के दायरे में आए व्यक्तियों और कंपनियों से जुड़े आवासीय व व्यावसायिक परिसर शामिल हैं।

इसी क्रम में एक टीम बरेली के मारवाड़ीगंज निवासी आशुतोष अग्रवाल के घर भी पहुंची टीम ने पहुंचते ही सभी दरवाजे बंद कर दिए मोबाइल फोन जब्त कर लिए और लैंडलाइन का कनेक्शन भी काट दिया।

### किसी भी अनहोनी के लिए पुलिस मौजूद

सुबह से ही आशुतोष अग्रवाल के घर पर छापेमारी की जा रही है। टीम ने किसी भी प्रकार के हंगामा को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस की मदद ली है। टीम को वित्तीय लेन-देन और संपत्तियों से संबंधित अहम जानकारी मिलने की संभावना है। देर रात तक कार्रवाई जारी रहने की बात कही जा रही है।

## डायरिया केस की रिपोर्टिंग पोर्टल पर जरूर करें निजी अस्पताल : डॉ . बेलवाल

» निजी अस्पतालों में निश्चित रूप से बनाये जाएँ ओआरएस कॉर्नर

» पब्लिक प्राइवेट इंटरफेस बैठक में 17 निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

आर्यावर्त संवाददाता

**मुरादाबाद।** स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में पब्लिक प्राइवेट इंटरफेस बैठक आयोजित की गयी, जिसमें 14 निजी चिकित्सकों और 17 निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमार बेलवाल ने सभी निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों से कहा कि डायरिया केस की रिपोर्टिंग हेल्थ मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से करें। इसके साथ ही सभी निजी चिकित्सालय अपने यहाँ ओआरएस कॉर्नर बनाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फ्रंटलाइन वर्कर्स को डायरिया प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है, वह क्षेत्र भ्रमण के दौरान डायरिया के लक्षण वाले मामलों पर निगाह रखें और समुदाय को डायरिया के बारे में जागरूक बनाएं।

बैठक में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अध्यक्ष डॉ. सुनील खट्टर ने कहा कि डायरिया से संबंधित जागरूकता गतिविधियां हाई रिस्क एरिया में जरूर करवाई जाएं जिससे जनमानस को लाभ मिल सके। बैठक में पीएसआई इंडिया की कोमल घई ने स्टॉप डायरिया कैंपेन (डायरिया रोको अभियान) के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस) का आंकड़ा भी साझा किया। बैठक में मण्डलीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन अधिकारी देवेंद्र सैनी ने एचएमआईएस पोर्टल पर रिपोर्ट किस तरह फीड करनी है, उसके बारे में जानकारी दी। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुबीर सिंह, जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक चंद्रशेखर, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर प्रमोद कुमार, निजी चिकित्सालयों के चिकित्सक एवं प्रबंधक, पीएसआई इंडिया से मोहम्मद रिजवान एवं ममता सैनी आदि मौजूद रहे।

### नाबालिग ई-रिक्शा रिक्षा चालकों पर लगाम लगायेगें

**जौनपुर।** नाबालिग चालकों द्वारा ई-रिक्शा चलाने से यातायात जाम और दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने एक विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत बिना नंबर वाले और फिटनेस फेल ई-रिक्शा पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।जिले में वर्तमान में लगभग आठ हजार ई-रिक्शा पंजीकृत हैं, और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। शहर में ई-रिक्शा के लिए 16 रूट निर्धारित किए गए हैं, लेकिन चालक अक्सर मनमाने ढंग से वाहन चलाते हैं। किशोरों को यातायात नियमों की जानकारी न होने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाएं होती हैं।नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा से हादसों में वृद्धि हुई है। कई फिटनेस फेल ई-रिक्शा भी सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे यात्रियों की जान जोखिम में रहती है। बड़ी संख्या में किशोर भी ई-रिक्शा चला रहे हैं, जो सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है।यातायात निरीक्षक (टीआई) मनोज पांडेय ने बताया कि यदि कोई किशोर ई-रिक्शा

## महराजगंज में तेज रफ्तार कार ने ली शिक्षक की जान, शादी से लौटते समय हुआ हादसा

आर्यावर्त संवाददाता

**(कोल्हुई) महराजगंज।** रिश्तेदार की बेटी की शादी से लौटने के दौरान तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से सिद्धार्थनगर निवासी एक शिक्षक की मृत्यु हो गई। घटना गोरखपुर-सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एकसड़वा ओवरब्रिज के पास मंगलवार की सुबह छह बजे की है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।

सिद्धार्थनगर जनपद के उस्का बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम सरंगी निवासी अश्वनी कुमार, जवाहर लाल नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज सिद्धार्थनगर में शिक्षक थे। वह सोमवार को नौतनवा थाना क्षेत्र के छितरापार में रिश्ते में दूर के साले की बेटी की शादी में शामिल होने आए थे। इसके बाद मंगलवार की सुबह बाइक से अकेले अपने घर जा रहे थे।

### रिश्तेदार की बेटी की शादी से लौटने के दौरान एकसड़वा ओवरब्रिज के पास हुई घटना

इसी दौरान कोल्हुई थाना क्षेत्र के गोरखपुर-सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एकसड़वा ओवरब्रिज के पास सोनौली से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें पीछे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

### अस्पताल में मृत घोषित किया

दुर्घटना की सूचना मिलते ही कोल्हुई पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मीपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही मृतक के स्वजन में कोहराम मच गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और कार को कब्जे में लेकर थाने भिजवा दिया। थानाध्यक्ष कोल्हुई गौरव सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मृतक के स्वजन को दे दी गई है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## पुलिस भर्ती परीक्षा का डीएम ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

**प्रयागराज।** जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती हेतु आयोजित की जा रही लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत परीक्षा के द्वितीय दिवस पर मंगलवार को अग्रसेन इंटर कॉलेज, प्रयाग महिला विद्यापीठ इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध, बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पुलिस भर्ती परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने केंद्र व्यवस्थापक से परीक्षा संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा परीक्षा में तैनात कार्मिकों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए।

## 'आन' की बलि : न सांप का डंक और न सुसाइड, शुभी के कत्ल में सबकुछ था स्क्रिप्टेड, नहीं देखी होगी ऐसी हैवानियत

आर्यावर्त संवाददाता

**हरदोई।** घर की चारदीवारी में रची गई एक खौफनाक साजिश और उसके बाद रची गई गुमराह करने की कहानी। हरदोई में एक किशोरी की हत्या के बाद उसे सर्पदंश और आत्महत्या में बदलने की कोशिश ने पुलिस के होश उड़ा दिए। पिता और ताऊ की क्रूरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने बेटी की मौत के बाद शव के साथ भी दरिंदगी की। लेकिन, मां की हिम्मत ने इस अपराध की पटकथा लिखने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। संडीला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में आन की खातिर पिता ने भाइयों और भाभी के साथ बेटी की पीट-पीटकर कर हत्या कर दी। दरअसल युवती तीन जून की रात 12 बजे बिना कुछ बताए घर से चली गई थी और सुबह चार बजे वापस आई थी। इसी से नाराज होकर वरदात को अंजाम दिया गया।

### दुपट्टे से गला कसकर फंदा सा बनाया

प्रयास यह था कि सर्पदंश जैसे निशान बन जाएं। इसमें सफलता न मिलने पर घटना को खुदकुशी के रूप में दर्शाने का प्रयास हुआ। इसके लिए किशोरी के ही दुपट्टे से उसका गला कसकर फंदा सा बनाया गया। गांव में यह भी प्रचारित किया गया कि बीमारी के कारण युवती ने खुदकुशी की है।

### शव के पैरों में सुई भी चुभोई

मामले को सर्पदंश से जोड़ने के लिए शव के पैरों में सुई चुभोई गई। इसके बाद फंदा कसकर खुदकुशी का रूप देने की भी कोशिश की गई। मां की शिकायत पर पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

### बेटी को दो-तीन तमाचे मारे

कोतवाली क्षेत्र के गांव समदखेड़ा निवासी महिला मिथिलेशा ने बताया कि बेटी शुभी (18) तीन जून की रात 12 बजे बिना कुछ बताए घर से चली गई थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इस बीच चार जून की सुबह लगभग चार बजे वह घर आ गई थी। इस पर पिता ने बेटी को दो-तीन तमाचे मारे और फिर लेट गए।

### पीट-पीटकर शुभी की हत्या कर दी

इस पर वह कमरे में चली गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। कुछ ही देर में ताऊ मुनेश, कल्लू, सुरेश और ताई मुनेश की पत्नी माधुरी ने शुभी के बारे में पूछा। कमरे में होने का पता चलने पर आरोपियों ने दरवाजा खुलवाकर पीट-पीटकर शुभी की हत्या कर दी।

### मां को न तो रोने दिया और न ही बेटी को देखने दिया

इस दौरान रामदयाल भी अपने भाइयों और भाभी का सहयोग करता रहा। दावा है कि आरोपियों ने मां को न तो रोने दिया और न ही बेटी को देखने दिया। गांव में ही अपने बाग में अंतिम संस्कार कर दिया। शनिवार शाम मिथिलेशा ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

### चारों को न्यायालय से जेल भेज दिया गया

सीओ संतोष सिंह ने बताया कि मां की शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ हत्या करने और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतका के पिता रामदयाल, ताऊ मुनेश और सुरेश और ताई माधुरी को गिरफ्तार किया गया है। इन चारों को न्यायालय से जेल भेज दिया गया है। कल्लू की तलाश जारी है।

### पैरों में चार जगह चुभोई थी सुई, उसके दुपट्टे से कसा था गला

विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि युवती की मां ने पिटाई का विरोध किया तो उसे भी हत्या की धमकी दी। मामले को सर्पदंश और खुदकुशी के तौर पर ही गांव में बताने की धमकी भी आरोपियों ने युवती की मां को दी। युवती के एक ही पैर में चार जगह सुई चुभोई गई।

# आयुष का पाकिस्तान और फिलिस्तीन कनेक्शन, धर्मांतरण में पुलिस के रडार पर आए कई मौलाना, रहमान बनने की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

**शामली।** शामली शहर के प्रसिद्ध दवा कारोबारी देवराज मलिक के इकलौते पुत्र आयुष का धर्मांतरण कराने के प्रकरण में शामली के साथ गाजियाबाद व दिल्ली के कई मौलाना पुलिस के रडार पर है। पुलिस व खुफिया विभाग की टीमें युवक का पाकिस्तान व फिलिस्तीन कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

इस प्रकरण में पुलिस युवती व उसके पिता को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि तीन मौलाना समेत नौ आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। एसपी के अनुसार, पुलिस की जांच में सामने आया कि आयुष पाकिस्तान के डॉ. इसरार की यूट्यूब चैनल पर स्पीच सुनकर फॉलो करता था। पुलिस की पूछताछ में आयुष ने फिलिस्तीन का भी जिक्र किया है। पुलिस आयुष का पाकिस्तान व फिलिस्तीन कनेक्शन तलाश रही है। आयुष के सोशल मीडिया अकाउंट खंगालने के साथ फंडिंग होने और उसके संपर्क वाले लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस को धर्मांतरण कराने में बड़ा रैकेट होने का अंदेशा है, जिसकी गहनता से जांच की जा रही है। इस मामले में एसपी एनपी सिंह ने एसआईटी समेत पुलिस की कई टीमें गठित की है, जो आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। साथ ही एलआईयू व खुफिया टीमों को जांच में लगाया गया है। एसपी एनपी सिंह का कहना है कि जल्द ही इस रैकेट में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### अपनी इच्छा से अपनाया इस्लाम धर्म : आयुष

दवा कारोबारी देवराज मलिक के पुत्र आयुष मलिक के धर्मांतरण प्रकरण में नया मोड़ आ गया है। आयुष मलिक उर्फ रहमान ने मीडिया के सामने आकर कहा कि उसका जबरन धर्मांतरण नहीं कराया गया। उसने अपनी इच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है और अपने फैसले से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। आयुष मलिक ने कहा कि समाज के लोग उस पर दोबारा धर्म बदलने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन वे किसी दबाव में नहीं आएंगे। कहा कि उसने 2008 से इस्लाम धर्म का अनुसरण करना शुरू कर दिया था। उसने अपनी तीनों बहनों की शादी होने के बाद ही परिजनों को इस्लाम धर्म अपनाने की जानकारी दी थी। उसने चार साल पहले शामली की लड़की चांदनी कुरैशी से दिल्ली में निकाह किया। पिता देवराज मलिक की तरफ से पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने के सवाल पर कहा कि समाज के दबाव में उन्होंने यह कदम उठाया है। ब्रेनवाश के सवाल पर कहा कि अगर ऐसा होता तो वह अपने माता-पिता को भूल गया होता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आयुष ने कहा कुछ लोग इस मामले को बेवजह तूल दे रहे हैं। उसने कहा कि पाकिस्तान या फिलिस्तीन से उसका कोई संबंध नहीं है। पाकिस्तानी डा. इसरार का समर्थन करते हुए कह कि उनकी कही हुई बातों को कोई मौलाना नहीं काट पाता।

### मीडिया के सामने आया आयुष, दाढ़ी बढ़ाने पर कहा यह हमारे इस्लाम में सुन्नत

उनकी स्पीच आपसी मोहब्बत व प्रेम का संदेश देती है, इसलिए वह उनकी स्पीच सुनता है। दाढ़ी बढ़ाने के सवाल पर कहा कि ये हमारे इस्लाम में सुन्नत है। हमारे सभी नबी ने भी दाढ़ी रखी थी। बोला मेरे माता-पिता पूजा पाठ करते हैं और वह पांच वक्त की नमाज पढ़ता है। अब दोनों ही परिवार मेरे अपने है, वह किसी को नहीं छोड़ेगा।

### ठीक होने में थोड़ा वक्त लगेगा : देवराज

दवा कारोबारी देवराज मलिक पुलिस की गाड़ी से एसपी कार्यालय पहुंचे। वहां पर उन्होंने कहा कि उनका बेटा शिक्षित, होनहार और कर्मठ है। संपत्ति हड़पने के लिए चांदनी व उसके परिवार के लोगों ने धर्मातरण कराया। उन्हें इसी वर्ष जनवरी में उसके व्यवहार में बदलाव नजर आया तो मामला संदिग्ध लगा। फरवरी में उसने उन्हें धर्मांतरण की बात बताई। तभी से वे अपने स्तर से बेटे को समझाने की कोशिश में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आयुष का ब्रेनवॉश बड़े स्तर पर किया गया है। उसे ठीक होने में थोड़ा समय लगेगा। उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही उनका बेटा सनातन धर्म में वापस आएगा।

### ब्रेनवॉश किसने, कहां और कैसे किया एसआईटी जांच शुरू

एसपी एनपी सिंह का कहना है कि पुलिस आयुष मलिक से लगातार संपर्क में हैं और उससे जानकारी की गई। धर्मांतरण के लिए उसका ब्रेनवॉश पहले से हो रखा है। उसका ब्रेनवाश कहां, कैसे और किसने किया। इसकी जांच चल रही है। एसआईटी जांच में लगी हुई है।

### ये है मामला

चार दिन पहले जिला मुजफ्फरनगर के बघरा स्थित योग साधना आश्रम स्वामी यशवीर महाराज ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर आयुष के धर्मांतरण के मुद्दे को उठाया था। पुलिस ने दो दिन पहले शनिवार देर रात मोहल्ला दयानंद नगर निवासी दवा कारोबारी देवराज मलिक की तहरीर पर उसके बेटे आयुष का धर्मांतरण कराने के आरोप में मोहल्ला काजीवाड़ा निवासी चांदनी कुरैशी, उसकी बहन सुमाइला, राहिल व राबिया, उसके पिता इस्लाम कुरैशी, भाई आस मोहम्मद उर्फ आशू, हुमा कुरैशी, सलीम उर्फ भोला मौलवी मुन्नवर व दो अज्ञात मौलवी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

देवराज मलिक ने चांदनी कुरैशी पर परिवार के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से संपत्ति हड़पने के लिए उसके पुत्र आयुष को अपने प्रेमजाल में फंसाकर धर्मांतरण कराने और अब उसके परिवार पर धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। रविवार को पुलिस चांदनी कुरैशी व उसके पिता इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया था।

# चेहरे की सुंदरता बढ़ाने में मदद कर सकता है फेस योग, जानिए इसके त्वचा संबंधी फायदे

फेस योग एक प्राकृतिक और असरदार तरीका है, जिससे आप अपने चेहरे की सुंदरता को बढ़ा सकते हैं। यह तरीका न केवल आपकी त्वचा को ताजगी देता है, बल्कि चेहरे की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। फेस योग के जरिए आप झुर्रियों, आंखों के नीचे के काले घेरे और थकी हुई त्वचा से छुटकारा पा सकते हैं। इस लेख में हम फेस योग के 5 प्रमुख फायदों पर चर्चा करेंगे, जो आपके चेहरे को टोन कर सकते हैं।

## झुर्रियां हो जाएंगी कम

फेस योग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह झुर्रियों को कम करने में मदद करता है। नियमित रूप से चेहरे की मांसपेशियों को टोन करने वाले आसनों का अभ्यास करने से झुर्रियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। इससे आपकी त्वचा युवा और ताजगी भरी दिखती है। इसके अलावा यह तरीका रक्त संचार को भी बढ़ाता है, जिससे त्वचा में निखार आता है और वह स्वस्थ दिखती है। इससे समय से पहले बुढ़ापा नहीं आता है।

## आंखों के नीचे के काले घेरे का होगा समाधान

आंखों के नीचे के काले घेरे एक आम समस्या बन चुकी है, खासकर आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में। फेस योग के कुछ विशेष आसनों का अभ्यास करके आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं। इन आसनों में उंगलियों से हल्के हाथों से आंखों के चारों ओर मालिश करना शामिल है। इससे रक्त संचार बेहतर होता है और काले घेरे कम होते हैं। इसके अलावा यह तरीका आंखों को आराम भी देता है और उन्हें तरोताजा बनाता है।

## थकी हुई त्वचा को मिलेगी ताजगी

अगर आपकी त्वचा थकी हुई लग रही है तो फेस योग आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें चेहरे की मांसपेशियों को खींचने वाले आसनों का अभ्यास किया जाता है, जिससे त्वचा ताजगी भरी दिखती है। इसके अलावा यह तरीका त्वचा की चमक बढ़ाता है और उसे स्वस्थ बनाए रखता है। रोजाना कुछ मिनट इस योग का अभ्यास करने से आप अपनी थकी हुई त्वचा को फिर से जीवंत बना सकते हैं।

## तनाव होगा कम

तनाव हमारे पूरे शरीर पर असर डालता है, जिसमें हमारा चेहरा भी शामिल है। फेस योग तनाव कम करने में बहुत मददगार होता है, क्योंकि इसमें गहरी सांस लेने वाली तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने वाले आसनों का अभ्यास करने से तनाव स्तर कम होता है और आप अधिक शांत महसूस करते हैं। इससे आपकी त्वचा भी तरोताजा और स्वस्थ दिखती है।

## प्राकृतिक रूप से मिलेगा निखार

फेस योग न केवल बाहरी सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आंतरिक रूप से भी आपकी त्वचा को मजबूत बनाता है। नियमित अभ्यास करने पर आपकी त्वचा में निखार आता है, जो प्राकृतिक होता है। इससे न केवल आपकी त्वचा चमकदार दिखती है, बल्कि वह स्वस्थ भी रहती है। इस प्रकार फेस योग एक सरल, लेकिन असरदार तरीका है, जिससे आप अपनी त्वचा की देखभाल कर सकते हैं और उसे नई जान दे सकते हैं।

# माता-पिता अपनाएं ये आदतें... बच्चा रहेगा मेंटली मजबूत, सोचने-समझने की बढ़ेगी ताकत

**आज के टाइम में आगे बढ़ने के लिए ज्यादा अच्छे नंबर लाने से जरूरी है कि बच्चा खुद सोचने के साथ ही समस्याओं का सॉल्यूशन भी खुद ढूंढना जानता हो। पेरेंट्स को डेली रूटीन में बच्चों के पालन-पोषण के लिए कुछ ऐसी आदतें अपनानी चाहिए जो उनकी थिंकिंग पावर को बढ़ाती हैं।**

अच्छे नंबर तो बच्चा किताबों को पढ़कर ला सकता है, लेकिन ये लाइफ में ग्रो करने की गारंटी नहीं है। इसी के साथ जरूरी है कि बच्चे की सोचने-समझने की ताकत अच्छी हो। ये कोई एक दिन कि प्रैक्टिस नहीं होती है। माता-पिता इस तरह से बच्चे को तैयार करना होता है कि वह बिना किसी झिझक के अपने विचारों को दूसरे के सामने रख सके और लाइफ में फैसले लेने में मजबूत हो। इस आर्टिकल में हम पेरेंट्स की ऐसी 5 हैबिट्स के बारे में जानेंगे जो बच्चे की थिंकिंग पावर को अच्छा करेंगी।

बच्चों को कुछ भी सिखाने के लिए पेरेंट्स का रोल सबसे ज्यादा अहम होता है। अगर डेली रूटीन में माता-पिता अपने बिहेवियर में कुछ छोटे-छोटे चेंज करते हैं तो बच्चे में खुद सोचने और अपने फैसलों पर भरोसा करने में मदद कर सकते हैं। तो चलिए जान लेते हैं इसके बारे में डिटेल के साथ।

## खुद के फैसले लेने दें

बच्चे अगर कोई ओपिनियन देते हैं और हमें अच्छा न लगे तो हम उसके सामने मना कर देते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। बच्चे को अपनी उम्र के मुताबिक फैसले लेने के लिए फ्री छोड़ें। जैसे वो कैसे कपड़े पहनना चाहते हैं। कौन सा सब्जेक्ट पसंद है वो आगे क्या करना चाहते हैं। हां आप उन्हें इन सारी चीजों के बीच ऑप्शन दे सकते हैं। इससे वो सही फैसला ले पाएंगे और उनमें फैसले लेने की क्षमता के साथ ही कॉन्फिडेंस बिल्ड होगा।

## खुद ढूंढने दें जवाब

बच्चा जब कोई सवाल पूछता है तो उसे उसका शांति के साथ पूरा एक्सप्लेन करके उत्तर दें, लेकिन हमेशा हर सवाल का उत्तर देने की बजाय आप उन्हें सवालों के आंसर खुद ही ढूंढने के लिए मोटिवेट करें। इसके लिए आप बच्चे से पूछ सकते हैं कि पहले वो बताए कि उसका अपना क्या ऑब्जर्वेशन है। जैसे तारे आकाश में क्यों चमकते हैं? तो आप पूछे कि बच्चे को क्या समझ में आया। इसके बाद उसे इस सवाल का उत्तर दें।

## गलतियां करने दें, ये भी जरूरी...

हम अक्सर ध्यान जाते ही बच्चे को गलती करने से पहले ही रोकने-टोकने लगते हैं। इस वजह से वह डरने लगते हैं, लेकिन जब बच्चा गलती करे तो ये बताने की बजाय कि क्या गलती है, उसे ये बताएं कि क्या नहीं करना चाहिए था कि ऐसी गलती न हो और वो अब क्या सुधार कर सकता है। ऐसे में किड्स में सीखने की क्षमता का विकास होता है और वो चीजों को बेहतर तरीके से देखने की आदत डालते हैं।

## खुद बनें उनकी इंस्पिरेशन

बच्चे माता-पिता देखकर बहुत कुछ सीखते हैं। इसलिए उनमें थिंकिंग पावर डेवलप करने के लिए आप उनकी इंस्पिरेशन बनें। जब भी आप कोई फैसला लें तो बच्चों को बताएं कि आपने ये फैसला क्यों लिया है। इससे कैसे प्रॉब्लम सॉल्व हो सकती है। उन्हें ये भी समझाएं कि आपने किसी प्रॉब्लम का सॉल्यूशन कैसे निकाला।

## हर वक्त न रखें नजर

पेरेंट्स को लगता है कि कहीं बच्चा कुछ गलत न सीख जाए या चोट न लग जाए। इस वजह से कई बार ओवर प्रोटेक्टिव हो जाते हैं लेकिन अगर आप उनपर हर वक्त हर छोटी चीज को लेकर नजर रखेंगे तो न सिर्फ रिश्ते में खटास बढ़ सकती है, बल्कि वह खुद नहीं सोचना सीख पाएंगे। वह आपके ऊपर डिपेंड हो सकते हैं। आप रिजल्ट देखे के लिए उन्हें कुछ चीजों के फैसले लेने दें। बस आप गाइडेंस की भूमिका निभाएं।

# बिना दवा के हिचकी रोकने के 5 असरदार घरेलू उपाय

**हिचकी आना एक सामान्य समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। आमतौर पर हिचकी कुछ मिनटों में अपने आप बंद हो जाती है, लेकिन कई बार यह लगातार आने लगती है और परेशानी का कारण बन जाती है।**

विशेषज्ञों के अनुसार, हिचकी डायफ्राम की मांसपेशियों में अचानक होने वाले संकुचन के कारण आती है। जल्दी-जल्दी खाना खाने, ज्यादा मसालेदार भोजन, ठंडे पेय पदार्थ या अचानक भावनात्मक बदलाव भी इसके पीछे की वजह हो सकते हैं। हालांकि अधिकांश मामलों में हिचकी गंभीर समस्या नहीं होती, लेकिन लगातार हिचकी आने पर दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से हिचकी को जल्दी रोका जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में, जो हिचकी से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

## 1. ठंडा पानी धीरे-धीरे पिएं

हिचकी आने पर ठंडा पानी पीना सबसे आम और प्रभावी घरेलू उपायों में से एक माना जाता है। ठंडा पानी गले और डायफ्राम से जुड़ी नसों को उत्तेजित करता है, जिससे हिचकी का सिलसिला रुक सकता है।

पानी को एकदम से पीने के बजाय छोटे-छोटे घूंट में धीरे-धीरे पीना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

कई लोगों को इस उपाय से कुछ ही मिनटों में राहत मिल जाती है।

## 2. कुछ सेकंड के लिए सांस रोकें

जब हिचकी लगातार आने लगे तो गहरी सांस लेकर उसे 10 से 20 सेकंड तक रोकने की कोशिश करें।

ऐसा करने से शरीर में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर थोड़ा बढ़ जाता है, जिससे डायफ्राम की अनियंत्रित गतिविधि सामान्य हो सकती है।

यह तरीका हिचकी के चक्र को तोड़ने में मदद कर सकता है।

जरूरत पड़ने पर इस प्रक्रिया को दो-तीन बार दोहराया जा सकता है।

## 3. एक चम्मच शहद खाएं

शहद को कई घरेलू उपचारों में इस्तेमाल किया जाता है।

माना जाता है कि इसकी चिकनी बनावट और प्राकृतिक गुण गले की नसों को शांत करने में मदद करते हैं।

हिचकी आने पर एक चम्मच शहद धीरे-धीरे खाने से कुछ लोगों को राहत महसूस होती है।

इसके अलावा शहद गले की खराश और जलन को कम करने में भी सहायक हो सकता है।

## 4. चीनी का सेवन करें

हिचकी रोकने के लिए एक चम्मच चीनी खाने का नुस्खा काफी पुराना है।

चीनी के दाने गले और मुंह की नसों को उत्तेजित कर सकते हैं, जिससे हिचकी पैदा करने वाले रिफ्लेक्स में बदलाव आता है।

चीनी को तुरंत निगलने के बजाय कुछ सेकंड तक मुंह में रखकर धीरे-धीरे घुलने देना बेहतर माना जाता है।

हालांकि डायबिटीज के मरीजों को यह उपाय अपनाने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए।

## 5. घुटनों को सीने से लगाएं

यह एक आसान शारीरिक तकनीक है जो डायफ्राम पर हल्का दबाव डालती है।

फर्श या कुर्सी पर बैठकर अपने घुटनों को सीने की ओर खींचें और कुछ मिनट तक इसी स्थिति में रहें।

इससे डायफ्राम की मांसपेशियों को आराम मिल सकता है और हिचकी कम होने में मदद मिल सकती है।

यह तरीका विशेष रूप से तब उपयोगी माना जाता है जब हिचकी लंबे समय तक बनी रहे।

# वर्केशन पर जा रहे हैं? काम और मस्ती के बीच संतुलन बनाए रखने के 5 तरीके

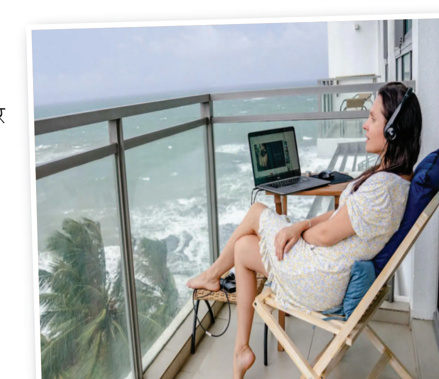

वर्केशन एक ऐसा चलन है, जो काम और आराम को एक साथ मिलाता है। इसमें आप अपने ऑफिस के काम को किसी खूबसूरत जगह पर जाकर भी कर सकते हैं। यह न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपको नए अनुभव और यादें भी देता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने वर्केशन को और भी मजेदार बना सकते हैं और काम के साथ-साथ आराम का भी आनंद ले सकते हैं।

## योजना बनाएं

वर्केशन की शुरुआत अच्छी योजना बनाकर करें। पहले से तय करें कि कब और कहां जाना है और वहां कितने दिन रुकना है। इसके अलावा यह भी तय करें कि किन दिनों आपको काम करना है और किन दिनों को घूमने-फिरने के लिए रखना है। इससे आपको यह पता रहेगा कि कब काम करना है और कब आराम करना है, जिससे आपका वर्केशन संतुलित रहेगा और आप दोनों का आनंद ले सकेंगे।

## समय प्रबंधन करें

काम और आराम के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए समय प्रबंधन बहुत जरूरी है। सुबह जल्दी उठकर पहले काम करें और फिर बाकी समय घूमने-फिरने या अन्य गतिविधियों के लिए रखें। इस तरह आप अपने काम को भी पूरा कर पाएंगे और साथ ही आपको घूमने का भी समय मिलेगा। इसके अलावा आप अपने काम के समय को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उसे पूरा करें, ताकि आप बिना किसी तनाव के अपने वर्केशन का आनंद ले सकें।

## तकनीक का उपयोग करें

वर्केशन के दौरान तकनीक का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। अपने कंप्यूटर या मोबाइल फोन का उपयोग करें, ताकि आप ऑफिस के काम को आसानी से कर सकें। इसके अलावा अगर आप किसी ऐसी जगह पर हैं, जहां इंटरनेट की समस्या हो सकती है तो पहले से ही सभी जरूरी कागजात डाउनलोड कर लें, ताकि आपको कोई दिक्कत न हो। इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने वर्केशन का आनंद ले सकते हैं।

## स्थानीय संस्कृति को जानें

अपने वर्केशन के दौरान स्थानीय संस्कृति को जानने के लिए समय जरूर निकालें। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आपको नए-नए अनुभव भी मिलेंगे। आप स्थानीय बाजार जा सकते हैं, वहां के खाने का स्वाद ले सकते हैं या किसी स्थानीय कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इससे आपका वर्केशन और भी यादगार बनेगा और आपको वहां की संस्कृति का गहरा अनुभव मिलेगा, जिससे आप नई यादें भी बना सकेंगे।

## दोस्तों या परिवार के साथ जाएं

वर्केशन अकेले करने के बजाय दोस्तों या परिवार के साथ करें। इससे आपका समय जल्दी बीतेगा और आपको ज्यादा मजा आएगा। साथ ही आप अपने करीबियों के साथ समय बिताकर उनकी कंपनी का आनंद ले सकेंगे। इस तरह आपका वर्केशन न केवल कामकाजी रहेगा, बल्कि दोस्तों और परिवार संग बिताए समय से भरपूर भी होगा। उनसे आप कुछ कामों में मदद भी ले सकते हैं, ताकि काम जल्दी खत्म हो सके।

# अदाणी ग्रीन, अदाणी पावर और अदाणी एनर्जी पर बुलिश जेफरीज, कहा– क्रियान्वयन मजबूत

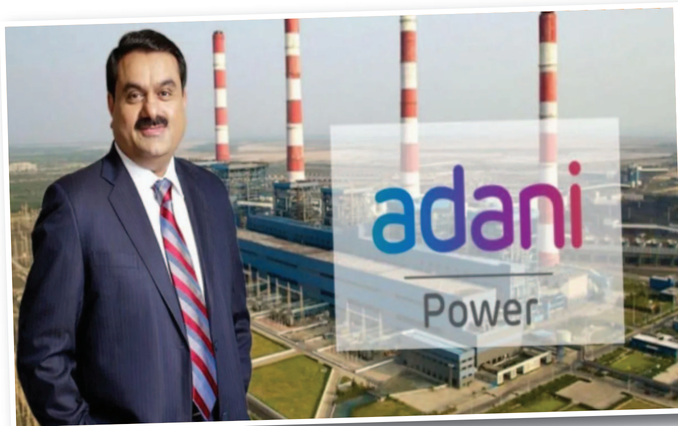


ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस पर बुलिश बना हुआ है और इसकी वजह क्षमता में तेज विस्तार, मजबूत मांग और क्रियान्वयन मजबूत होना है। अपने ताजा नोट में जेफरीज ने अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को बाय रेटिंग दी है और प्राइस टारगेट 1,435 रुपए निर्धारित किया है, जो कि छोटी अवधि में सीमित तेजी, लेकिन लंबी अवधि में कंपनी में मजबूत ग्रोथ की संभावना को दिखाता है।

ब्रोकरेज फर्म ने बताया कि कंपनी की योजना अपनी रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को वित्त वर्ष 2026 में 19.3 गीगावाट से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट तक ले जाना है। इसमें 5 गीगावाट की पंप स्टोरेज परियोजना और बैटरी स्टोरेज सिस्टम में वित्त वर्ष 2027 तक 10 गीगावाट से अधिक की तेज वृद्धि शामिल है। जेफरीज ने कहा कि गुजरात के खावड़ा में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहा है, जहां 30 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का निर्माण किया जा रहा है, जो विकास का एक प्रमुख चालक बना हुआ है। अदाणी पावर लिमिटेड पर जेफरीज ने अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 255 रुपए का टारगेट प्राइस निर्धारित किया है, जो लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि का संकेत देता है।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि वित्त वर्ष 2032 तक कंपनी की क्षमता को 42 गीगावॉट तक बढ़ाने की योजना और दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौतों की मजबूत पाइपलाइन से आय की संभावना में काफी सुधार होता है। ब्रोकरेज फर्म ने आगे कहा कि आगामी क्षमता का लगभग 56 प्रतिशत का पीपीए पहले से ही हो चुका है और प्रबंधन का लक्ष्य भविष्य में सभी पीपीए को पूरा करना है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) के लिए, जेफरीज ने 1,665 रुपए के टारगेट प्राइस के साथ बाय रेटिंग को बरकरार रखा है, जो निजी क्षेत्र में भारत की एकमात्र सूचीबद्ध प्योर प्ले ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रूप में इसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि कंपनी भारत के बढ़ते ट्रांसमिशन इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट मीटरों की बढ़ती तैनाती का फायदा उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

जेफरीज ने बताया कि एईएसएल 718 अरब रुपए की ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स को क्रियान्वित कर रही है, जबकि स्मार्ट मीटरिंग व्यवसाय तेजी से बढ़ रहा है और वित्त वर्ष 2026 तक 11 मिलियन से अधिक मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। ब्रोकरेज फर्म को उम्मीद है कि मध्यम अवधि में एबिटा और कर के बाद मुनाफे में मजबूत दोहरे अंकों की दर से वृद्धि होगी, जो क्रियान्वयन की गति और डेटा केंद्रों, वाणिज्यिक और औद्योगिक ऊर्जा समाधानों में बढ़ते अवसरों से प्रेरित होगी।

# चैट जीपीटी ने लॉन्च किया लॉकडाउन मोड, अब आपकी पर्सनल जानकारी रहेगी ज्यादा सेफ

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने अपने लोकप्रिय एआई प्लेटफॉर्म चैटजीपीटी के लिए एक नया सुरक्षा फीचर 'लॉकडाउन मोड' पेश किया है। यह फीचर खासतौर पर उन उपयोगकर्ताओं और संस्थानों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो संवेदनशील और गोपनीय जानकारी के साथ काम करते हैं। कंपनी का दावा है कि यह मोड डेटा चोरी और प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसे साइबर हमलों के खतरे को काफी हद तक कम करने में मदद करेगा।

ओपनएआई के अनुसार, एआई सिस्टम्स के बढ़ते उपयोग के साथ प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे हमलों में हैकर्स वेबसाइट, ई-मेल, दस्तावेज या अन्य डिजिटल कंटेंट में छिपे निर्देशों के जरिए एआई मॉडल को भ्रमित करने की कोशिश करते हैं, जिससे गोपनीय जानकारी लीक होने का खतरा पैदा हो जाता है। नया लॉकडाउन मोड इसी जोखिम को कम करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

### क्या है लॉकडाउन मोड?

लॉकडाउन मोड सक्रिय होने पर चैटजीपीटी की इंटरनेट और बाहरी सेवाओं तक पहुंच काफी सीमित हो जाती है। इससे किसी संभावित हमलावर के लिए संवेदनशील डेटा तक पहुंच बनाना मुश्किल हो जाता है। हालांकि ओपनएआई ने स्पष्ट किया है कि यह फीचर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमलों को पूरी तरह समाप्त नहीं करता, लेकिन डेटा के अनधिकृत ट्रांसफर की संभावना को काफी कम कर देता है।

### इन सुविधाओं पर लगेगी रोक

लॉकडाउन मोड ऑन होने के बाद चैटजीपीटी के कई लोकप्रिय फीचर्स सीमित या निष्क्रिय हो जाएंगे। लाइव वेब ब्राउजिंग केवल पहले से कैश किए गए कंटेंट तक सीमित रहेगी, जिससे हर समय ताजा जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाएगी। इसके अलावा डीप रिसर्च और एजेंट मोड पूरी तरह बंद हो जाएंगे। कैनवस में तैयार किया गया कोड इंटरनेट एक्सेस नहीं कर सकेगा और बाहरी फाइल डाउनलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध नहीं रहेगी।

फाइनेंस और शॉपिंग से जुड़े इंटीग्रेटेड एजेंट फीचर्स भी बंद हो जाएंगे। वहीं सामान्य चैट में इमेज दिखाने और इमेज जनरेशन की सुविधा का उपयोग भी नहीं किया जा सकेगा। हालांकि मेमोरी, फाइल अपलोड, चैट शेयरिंग और मॉडल ट्रेनिंग संबंधी सेटिंग्स पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

### ऐसे करें सक्रिय

ओपनएआई ने बताया कि लॉकडाउन मोड को चैटजीपीटी फ्री, गो, प्लस, प्रो और सेल्फ-सर्व बिजनेस अकाउंट्स के लिए चरणबद्ध तरीके से जारी किया जा रहा है। फीचर उपलब्ध होने के बाद उपयोगकर्ता चैटजीपीटी ऐप या वेबसाइट की सेटिंग्स में जाकर सिक्योरिटी सेक्शन खोल सकते हैं। यहां 'एडवांस्ड सिक्योरिटी' विकल्प के अंतर्गत लॉकडाउन मोड दिखाई देगा, जिसे एक क्लिक या टैप के जरिए सक्रिय किया जा सकता है।

कंपनी का कहना है कि यह फीचर सभी उपयोगकर्ताओं के लिए जरूरी नहीं है, लेकिन पत्रकारों, शोधकर्ताओं, कॉर्पोरेट पेशेवरों, सरकारी संस्थानों और संवेदनशील डेटा संभालने वाले संगठनों के लिए यह सुरक्षा की एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त परत साबित हो सकता है।

# एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने गौतम अदाणी, संपत्ति 89 अरब डॉलर के पार : फोर्ब्स

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति बढ़कर 89.2 अरब डॉलर हो गई, जो उन्हें एशिया में सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। यह जानकारी फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर्स लिस्ट में दी गई थी। अदाणी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 88 अरब डॉलर के साथ दूसरे और सॉफ्टबैंक के मासायोशी सोन 87 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर है। सोन गुरुवार को जापानी निवेश फर्म के शेयरों में गिरावट से पहले एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। गौतम अदाणी की संपत्ति का मुख्य स्त्रोत अदाणी समूह की कंपनियों में हिस्सेदारी है।

अदाणी समूह की छह कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य लगभग शुक्रवार तक 191 अरब डॉलर था। इसमें अदाणी पावर 47.2 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ शीर्ष पर था। इसके बाद अदाणी पोर्ट्स का मूल्यांकन 44.2 अरब डॉलर, अदाणी एंटरप्राइजेज का वैल्यूएशन 44 अरब डॉलर, अदाणी ग्रीन एनर्जी का मार्केट 26.4 अरब डॉलर, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का वैल्यूएशन 19.9 अरब डॉलर और अदाणी टोटल गैस का मार्केट कैप 8.8 अरब डॉलर था। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की संपत्ति में पिछले महीने अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट द्वारा अदाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करने के बाद से लगभग 10 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। ये आरोप सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंधों को लेकर 250 मिलियन डॉलर के लेनदेन में समूह की भागीदारी के थे। हालांकि, अदाणी समूह ने इन दावों का खंडन किया था। एशिया के सबसे धनी व्यक्ति के रूप में उनकी वापसी हाल के वर्षों में उनकी कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट के बाद हुई है, जो कई आरोपों के कारण हुई थी। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग रिसर्च ने 2023 में अदाणी पर स्टॉक में हेरफेर और व्यापक धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, भारतीय नियामकों ने पिछले साल इन दावों को खारिज कर दिया था और कहा था कि आरोप सिद्ध नहीं हुए। उन्हें अमेरिका में भी आरोपों का सामना करना पड़ा था, जो अब समाप्त हो चुके हैं। अरबपति उद्योगपति ने पिछले महीने शेयरधारकों को लिखे अपने वार्षिक पत्र में कहा कि अदाणी समूह अमेरिकी कानूनी चुनौतियों से उबर चुका है और ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रहा है, जिससे वह एआई आधारित विकास की बढ़ती मांग से लाभ उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने समूह की प्रमुख कंपनी, अदाणी एंटरप्राइजेज के हालिया 24,930 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू की सफलता को निवेशकों का विश्वास बताया। यह ऐसे समय पर आया था, जब समूह शासन और नियामक मुद्दों पर सवालों का सामना कर रहा था।

# नाइट्रोजन गैस से मौत: सम्मान से मृत्युदंड देने पर छिड़ी बहस, दम घोंटकर मारने के तरीके पर अदालत ने पूछा सवाल

**मॉन्टगोमेरी, एजेंसी।** अमेरिका के अलबामा राज्य में नाइट्रोजन गैस के जरिए दी जाने वाली फांसी को लेकर कानूनी विवाद और गहरा गया है। एक संघीय अपीलीय अदालत ने सोमवार को कहा कि इस तरीके पर और अधिक अध्ययन की जरूरत है, ताकि यह तय किया जा सके कि क्या यह अमेरिकी संविधान में प्रतिबंधित 'क्रूर और असामान्य सजा' की श्रेणी में आता है या नहीं। यह फैसला ऐसे समय आया है जब मौत की सजा पाए कैदी जेफरी ली को गुरुवार को नाइट्रोजन गैस के जरिए फांसी दी जानी है। 58 वर्षीय जेफरी ली ने इस फांसी के तरीके को अदालत में चुनौती दी हुई है। उनका कहना है कि यह तरीका अत्यधिक पीड़ा देता है और मानवीय नहीं है।

अलबामा ने साल 2024 में पहली बार नाइट्रोजन गैस के जरिए फांसी देने की शुरुआत की थी। इस प्रक्रिया में कैदी के चेहरे पर एक विशेष मास्क लगाया जाता है और उसे सांस लेने योग्य हवा की जगह शुद्ध नाइट्रोजन गैस दी जाती है। इससे शरीर को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाता है और कुछ समय बाद व्यक्ति की मौत हो जाती है।

### अब तक आठ लोगों को नाइट्रोजन गैस से मिली फांसी की सजा

अमेरिका में अब तक नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल कुल आठ बार फांसी देने के लिए किया गया है। इनमें से सात बार अलबामा में और एक बार लुइसियाना में इसका उपयोग हुआ है। जेफरी ली के वकीलों का दावा है कि यह तरीका जरूरत से ज्यादा कष्टदायक है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अलबामा में हुई पिछली नाइट्रोजन गैस फांसी को पूरा होने में 30 मिनट से अधिक समय लगा था, जिससे इस प्रक्रिया की मानवीयता पर सवाल खड़े होते हैं। यह मामला अब अमेरिका में मौत की सजा के तरीकों और मानवाधिकारों को लेकर चल रही बहस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। अदालतों को आने वाले दिनों में यह तय करना होगा कि नाइट्रोजन गैस के जरिए दी जाने वाली फांसी संवैधानिक है या नहीं।

### अपीलीय अदालत की पीठ ने क्या जताई चिंता?

इस मामले में पहले एक संघीय न्यायाधीश ने फैसला दिया था कि नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल संविधान का उल्लंघन नहीं करता। हालांकि, तीन न्यायाधीशों वाली अपीलीय अदालत की पीठ ने अब इस पर चिंता जताई है और कहा है कि इस तरीके की संवैधानिकता पर और गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। हालांकि अदालत ने फिलहाल जेफरी ली की निर्धारित फांसी पर रोक नहीं लगाई है। लेकिन अदालत ने निचली अदालत से यह जांचने को कहा है कि क्या फायरिंग स्क्वाड (गोली मारकर मौत की सजा) एक व्यवहारिक और संभव विकल्प हो सकता है।

### किस मामले में आरोपी है जेफरी ली?

जेफरी ली को 1998 में एक डकैती के दौरान दो लोगों की हत्या का दोषी ठहराया गया था। उनके वकीलों ने अदालत से आग्रह किया था कि जब तक नाइट्रोजन गैस वाली फांसी के खिलाफ दायर कानूनी चुनौती का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक उनकी फांसी की तारीख तय नहीं की जानी चाहिए।

# 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया गया, ओमान तट पर मिसाइल हमले के बाद टैंकर में लगी थी आग

**मस्कट, एजेंसी।** ओमान के तट के पास एक व्यापारी तेल टैंकर पर हुए मिसाइल हमले के बाद उस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। यह सफल अभियान भारत और ओमान के बीच समुद्री बचाव सहयोग का एक बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 2:20 बजे मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी मुंबई) को सूचना मिली कि पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स पर ओमान के मसिराह तट के पास मिसाइल हमला हुआ है। उस समय जहाज पर कुल 24 चालक दल के सदस्य मौजूद थे और सभी भारतीय नागरिक थे। यह सूचना जहाज पर मौजूद एक नाविक के परिजन द्वारा एमआरसीसी मुंबई को दी गई थी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एमआरसीसी मुंबई ने तुरंत ओमान के समुद्री खोज एवं बचाव केंद्र (ओएमएससी) से संपर्क किया और जहाज तथा उसके चालक दल को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके बाद ओमान की एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। बचाव अभियान के तहत ओमान ने आसपास मौजूद एक जहाज को घटनास्थल की ओर भेजा और दो बचाव हेलीकॉप्टर भी तैनात किए। पूरे अभियान के दौरान एमआरसीसी मुंबई, ओएमएससी ओमान और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच लगातार संपर्क बना रहा ताकि चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शाम करीब पांच बजे ओमान के समुद्री बचाव केंद्र ने पुष्टि की कि ओमान नौसेना के हेलीकॉप्टरों ने सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया और किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली। हमले का शिकार हुआ जहाज फिलहाल ओमान के मसिराह तट के पास लंगर डाले हुए है। इस घटना के बाद भारतीय तटरक्षक बल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा की। तटरक्षक बल ने कहा कि एमआरसीसी मुंबई ने सूचना मिलते ही तुरंत ओमान की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया, जिसके चलते सभी भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया जा सका। भारतीय तटरक्षक बल ने यह भी दोहराया कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नागरिकों और नाविकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, यह सफल अभियान अंतरराष्ट्रीय समुद्री सहयोग की मजबूती को दर्शाता है। साथ ही यह भी साबित करता है कि समुद्र में आपात स्थिति आने पर भारत और उसके सहयोगी देश मिलकर तेजी और प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य कर सकते हैं। मुंबई स्थित एमआरसीसी हिंद महासागर के एक बड़े खोज एवं बचाव क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालता है और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर समुद्र में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम करता है। भारतीय तटरक्षक बल ने कहा कि वह आगे भी समुद्री सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और नाविकों की सुरक्षा के लिए इसी तरह सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

# 'बीबी, संभल जाओ वरना...', क्या ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान पर इस्राइल ने टाला हमला?

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले से बचने की सलाह दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप ने नेतन्याहू से फोन पर कहा, 'बीबी, तुम्हें सावधान रहना चाहिए, नहीं तो जल्द ही तुम अकेले पड़ जाओगे'। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब इस्राइल ईरान के कई संवेदनशील ठिकानों पर बड़े पैमाने पर जवाबी हमले की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि ट्रंप की दखल के बाद नेतन्याहू ने बड़े हमले की योजना को फिलहाल रोकने पर सहमति जताई, बशर्ते ईरान आगे कोई नया हमला न करे।

दो महीने पहले हुए युद्धविराम के बाद पहली बार ईरान और इस्राइल के बीच फिर से तनाव बढ़ा था। रविवार को ईरान ने इस्राइल पर मिसाइलें दागीं, जिसके जवाब में इस्राइल ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि सोमवार तक दोनों देशों ने संकेत दिए कि वे फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोक रहे हैं।

### नेतन्याहू से ट्रंप ने क्या की अपील?

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को कोई सीधा आदेश नहीं दिया, बल्कि समझदारी से काम लेने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच एक महत्वपूर्ण समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश चल रही है और ऐसे समय में बड़े सैन्य हमले से बातचीत प्रभावित हो सकती है। वहीं, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से ईरान पर हमले रोकने के लिए कहा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'नहीं। मैंने कहा कि जो सही है वह करें, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप जितनी जल्दी हो सके, इसे रोक दें। मामला लेबनान से जुड़ा है और इसे रुकना ही चाहिए'।

### कई देशों ने भी अमेरिका से की थी हस्तक्षेप की अपील

रिपोर्टों के अनुसार क्षेत्र के कई देशों ने भी अमेरिका से हस्तक्षेप करने की अपील की थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से संकेत मिले थे कि यदि इस्राइल हमले रोक देता है तो वह भी आगे मिसाइलें नहीं दागेगा।

### इस्राइली राजदूत बोले- करीबी दोस्तों में मतभेद हो जाते हैं

अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचिएल लाइटर ने इन खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू के बीच करीब 40 साल पुरानी दोस्ती है और करीबी लोगों के बीच कभी-कभी मतभेद या तीखी बातचीत होना सामान्य बात है। राजदूत ने कहा कि ट्रंप के अनुरोध पर इस्राइल ने सैन्य कार्रवाई की तीव्रता कम करने का फैसला किया, लेकिन अमेरिका यह भी समझता है कि इस्राइल अपने ऊपर होने वाले बैलिस्टिक मिसाइल हमलों का जवाब देने का अधिकार रखता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग और समझ को बेहद मजबूत बताया।

इस बीच, ट्रंप ने पहले इस्राइल और ईरान दोनों से गोलीबारी और हमले रोकने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि शांति के लिए अंतिम बातचीत आगे बढ़ेगी, बशर्ते कोई मूर्खतापूर्ण कदम रास्ते में न आए। वहीं, नेतन्याहू ने साफ कहा कि इस्राइल को आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है और वह जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल करता रहेगा। दूसरी ओर, ईरान ने भी सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिए हैं कि यदि हालात बिगड़ते हैं तो वह लंबे संघर्ष के लिए तैयार है। ईरानी नेताओं का कहना है कि अमेरिका और इस्राइल पर भरोसे की कमी क्षेत्र में तनाव को आगे भी बढ़ा सकती है।

### हम अमेरिका पर भरोसा नहीं है- कालीबाफ

इस बीच ईरान के संसद अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर कालीबाफ ने कहा कि उन्हें अमेरिका पर भरोसा नहीं है और ट्रंप के हालिया बयान पहले हुए समझौतों से मेल नहीं खाते। फिलहाल क्षेत्र में तनाव कम होता दिखाई दे रहा है, लेकिन ईरान और इस्राइल के बीच स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है।

# जोजिला टनल इतिहास रचने को तैयार, थोड़ी देर में ब्रेकथ्रू ब्लास्ट से होगा सुरंग का उद्घाटन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दशकों का इतंजार आज खत्म होने वाला है। जोजिला टनल इतिहास रचने को तैयार है। थोड़ी देर में जोजिला टनल में ब्रेकथ्रू ब्लास्ट होगा। दुनिया की सबसे लंबी सुरंग में इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बनेंगे। कश्मीर से लद्दाख तक जिस रास्ते में घंटों लगते थे, अब इस टनल से वह सफर मिनटों में तय होगा। तीन घंटे की दूरी 15-30 मिनट में पूरी होगी। हर मौसम में कनेक्टिविटी होगी।

जोजिल टनल भारत में बन रही 13 ।153 किलोमीटर लंबी एक अनोखी सुरंग है। यह दुनिया की सबसे लंबी 'सिंगल-ट्यूब' सुरंग होगी, जिसमें एक ही ट्यूब यानी पाइप के अंदर दोनों तरफ से गाड़ियां आ-जा सकेंगी। यह सुरंग लगभग 11,578 फीट की ऊंचाई पर जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग (बाल्टल) और लद्दाख के द्रास-कारगिल (मीनामर्ग) के बीच बनाई जा रही है।

### 6500 करोड़ रुपये की लागत से बना है टनल

इस इलाके में भारी बर्फबारी, भूस्खलन और खराब मौसम के कारण साल में कई महीने रास्ते बंद रहते हैं। इस सुरंग के बनने से दोनों इलाकों के बीच हर मौसम में आवाजाही हो सकेंगी। वो भी साल के बारहों महीने। करीब 6500 करोड़ रुपये की लागत से इसे बनाया गया है। 'मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड' (MEIL) ने इसका निर्माण किया है। इस सुरंग का पूरा होना भारत के विकास और इंजीनियरिंग के लिए एक बहुत बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। जोजिला टनल के बनने से जाहिर है देश के दुश्मन परेशान होंगे। इसके जरिए दुशमन को समय रहते करारा जवाब मिलेगा। जोजिला टनल से LAC तक पूरे साल रसद, हथियार और सैनिकों को बिना किसी बाधा भेजा जा सकता है।

### टनल में सबसे बड़ा चैलेंज पानी का रिसाव था

अधिकारियों के मुताबिक, इस टनल में सबसे बड़ा चैलेंज इसके अंदर पानी का रिसाव था। यह एशिया का सबसे लंबा और ऊंचाई पर स्थित टनल है जो ना सिर्फ लोगों के सफर का समय बचाएगा बल्कि ईंधन भी कम खर्च करेगा। इसके बनने से इस क्षेत्र में पर्यटन, व्यावसायिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

# 'अमित शाह के बुलावे पर नैतिकता खत्म हो जाती है' सागरिका घोष पाला बदलने वाले बागी नेताओं पर बरसीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने मंगलवार को चुनाव परिणामों के बाद पाला बदलने वाले राजनेताओं पर तीखा हमला किया। उन्होंने उनकी नैतिकता पर सवाल उठाया और राजनीतिक दलबदल की संस्कृति को शर्मनाक बताया।

घोष ने एक्स पोस्ट पर लिखा, '2024 में मेरे लिए व्यक्तिगत ही राजनीतिक मुद्दा बन गया। मैंने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया क्योंकि मेरा दृढ़ विश्वास है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा भारत के बहुमूल्य लोकतांत्रिक मूल्यों को नष्ट कर रही है। मैं विपक्ष के संवैधानिक संघर्ष में विश्वास करती थी और करती हूं, जो कि संविधान विरोधी, सांप्रदायिक मानसिकता वाली मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के खिलाफ है, जो धार्मिक युद्धों को भड़काने पर तुली हुई है।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी में अपनी आस्था को दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'मैं ममता बनर्जी के नेतृत्व में विश्वास करती थी, करती हूं और हमेशा करती रहूंगी। वह अपने अटूट साहस और मूल्य-आधारित राजनीति में सभी महिलाओं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए प्रेरणा हैं।'

### पार्टी के हार पर पाला बदल लेते हैं

टीएमसी नेता ने चुनावी हार का सामना करते ही नेताओं की ओर से अपनी पार्टियों को छोड़ने की प्रवृत्ति पर अविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे जो बात अजीब लगती है। वह यह संस्कृति है कि एक पार्टी के चिन्ह और एक नेता के नाम पर चुनाव जीतते हैं और फिर हार का सामना होते ही उस पार्टी और नेता को छोड़ देते हैं। अगर चुनाव परिणाम के साथ आपके विश्वास बदल जाते हैं, तो क्या वह वास्तव में विश्वास थे? आप एक पार्टी के चिन्ह पर चुनाव लड़ते हैं। आप मतदाताओं से पार्टी के घोषणापत्र पर भरोसा करने को कहते हैं। आप उस पार्टी के समर्थन और नेता की लोकप्रियता के कारण जीतते हैं। फिर पार्टी हार जाती है, और आप तुरंत पाला बदल लेते हैं।'

### 'जनादेश आखिर किस लिए था?'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाते हुए घोष ने ऐसे नेताओं के जनादेश पर सवाल उठाया और सुझाव दिया कि भाजपा नेतृत्व के एक फोन कॉल से ही नैतिकता समाप्त हो जाती है। टीएमसी नेता ने आगे कहा 'अगर वफादारी सिर्फ जीत तक ही रहती है, तो जनादेश आखिर किस लिए था? या फिर जब अमित शाह और उनके साथी फोन करते हैं, तो आप आज्ञाकारी होकर कतार में खड़े हो जाते हैं, और सारी नैतिकता खत्म हो जाती है? शर्मनाक।'

### क्या है मामला?

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लगभग 20 सांसदों ने औपचारिक रूप से अपनी पार्टी की वर्तमान राजनीतिक दिशा से अलग होने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ जुड़ने की इच्छा का संकेत दिया है। टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सोमवार को एएनआई के एक रिपोर्टर को 'थम्ब्स अप' इमोजी के साथ इस घटनाक्रम की पुष्टि की। दस्तीदार ने कहा, 'टीएमसी के कुल 20 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर एनडीए को समर्थन देने की इच्छा व्यक्त की है, जो पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य और राष्ट्रीय संसदीय गतिशीलता में संभावित बदलाव का संकेत है।' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद पार्टी में बढ़ते आंतरिक संकट के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। इन चुनावों में राज्य ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पहली बार भाजपा सरकार का गठन किया।

# वर्ल्डवाइड 200 करोड़ के पार हुई पेद्दी, बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन राम चरण की फिल्म ने लगाई लंबी छलांग

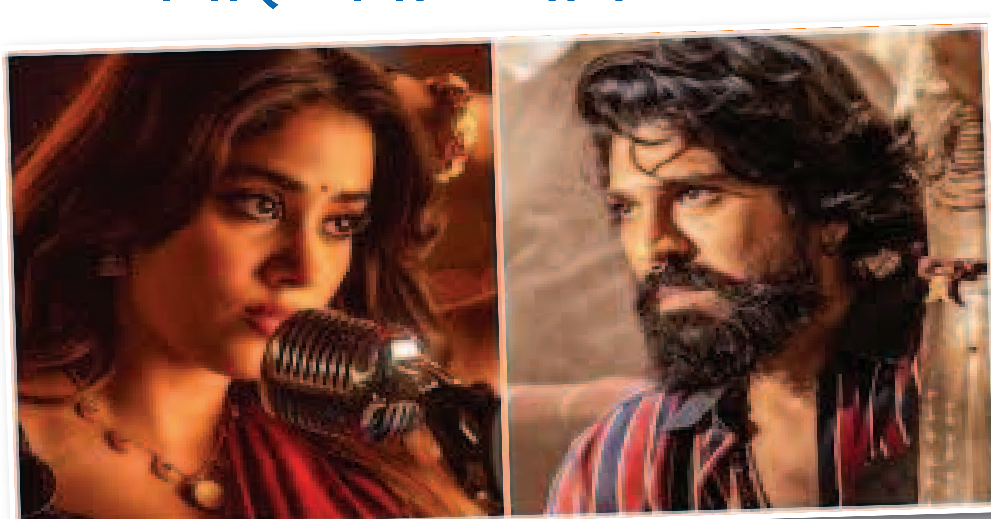

राम चरण और जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म पेद्दी 4 जून को रिलीज़ हुई। यह इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक रही है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसी वजह से फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों तक पहुंच रहे हैं। फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 3 दिन हो चुके हैं और इन तीनों में यह 250 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है।

राम चरण की फिल्म पेद्दी सिनेमाघरों में आने के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। हिंदी भाषी इलाकों में फिल्म को औसत रिस्पॉन्स मिला, जबकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इसने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, वीकेंड पर दर्शकों की अच्छी संख्या और लोगों की दिलचस्पी का फायदा उठाते हुए, पेद्दी ने घरेलू बॉक्स ऑफ़सि पर आधिकारिक तौर पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

पेद्दी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की है। तीन दिनों में फिल्म जहां घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 150 के करीब है, वहीं, दुनियाभर में इसने 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

मेकर्स ने रविवार को पेद्दी का लेटेस्ट वर्ल्डवाइड कलेक्शन सोशल मीडिया पर साझा किया है। मेकर्स के मुताबिक, पेद्दी ने तीन दिनों में दुनियाभर में 236 ।7 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। उम्मीद है कि रविवार छुट्टी होने की वजह से फिल्म 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लेगी।

घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो भारत में पेद्दी ने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। रिलीज के पहले दिन फिल्म ने शानदार ओपनिंग की थी। सैकनिल्क के मुताबिक, ओपनिंग डे पर फिल्म ने 51 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, पेड प्रीव्यू से इसने 18.50 करोड़ रुपये कमाए थे।

दूसरे दिन फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई। पहले दिन जहां फिल्म ने 51 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं दूसरे दिन यानी शुक्रवार को 26.90 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। अब तीसरे दिन की बात करें तो फिल्म शनिवार, 6 जून को पेद्दी ने 28.85 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इस तरह पेद्दी ने 3 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 125.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है।

ग्रामीण आंध्र प्रदेश पर आधारित पेद्दी में राम चरण अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। उनका किरदार खेल के जरिए अपनी और अपने समुदाय की पहचान बनाने की कोशिश करता है। इस फिल्म की कहानी में क्रिकेट, कुश्ती और स्प्रिंटिंग (दौड़) अहम भूमिका निभाते हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म को वेंकटा सतीश किलारू ने वृद्धि सिनेमाज़ के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। इसमें जाह्नवी कपूर, शिवा राजकुमार और जगपति बाबू अहम भूमिकाओं में हैं।

# पिंक लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में वामिक गब्बी की तस्वीरों से नजरें हटाना मुश्किल, हर अदाओं पर हो जाएंगे फिदा

हाल ही में वामिका गब्बी ने अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें वो बहुत ग्लैमरस लग रही हैं। लहंगे का कलर और उसका अट्रैक्टिव ब्लाउज उन्हें बहुत यूनिक और एलिगेंट बना रहा हैं। इन तस्वीरों पर फैंस भी खूब प्यार बरसा रहे हैं। इसी बीच आइए उनकी तस्वीरें देखते हैं।

वामिका गब्बी ने पिंक और गोल्डन शेड का खूबसूरत लहंगा पहना है। लहंगे पर शिमरी फैब्रिक और बारीक एम्ब्रॉयडरी की गई है। उन्होंने डीप नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है, जिस पर हैवी गोल्डन एम्ब्रॉयडरी और मिरर वर्क किया गया है। वामिका ने लहंगे के साथ हल्के पिंक कलर का ट्रांसपेरेंट नेट दुपट्टा ओढ़ा है। दुपट्टे पर खूबसूरत हल्की कढ़ाई की गई है। उन्होंने बालों को सेंटर पार्टिंग के साथ बन बनाया है। सामने की कुछ लटें चेहरे के तरफ आ रही हैं। वामिका का सॉफ्ट ग्लैम मेकअप उन्हें बहुत एलिगेंट बना रही हैं। उन्होंने स्टोन और पर्ल डिटेलिंग वाला चोकर नेकलेस पहना है। इसके साथ मैचिंग झुमके और हाथ में ब्रेसलेट कैरी किया है। वामिका गब्बी का ये लुक बेहद ग्रेसफुल, फेमिनिन और फेस्टिव वाइब्स से भरपूर है, जो किसी भी फंक्शन के लिए परफेक्ट फैशन इंस्पिरेशन है।

# है जवानी तो... बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 2 : वरुण की फिल्म ने की डबल डिजिट में 13 .99 करोड़ की कमाई, दो दिनों में वर्ल्डवाइड 26 .69 करोड़ छापे नोट

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की नई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे चुकी है। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म की शुरुआत धीमी रही है। पहले दिन (शुक्रवार) इसने सिंगल डिजिट में कमाई की और दूसरे दिन (शनिवार) भी यही सिलसिला जारी रहा।

इस फिल्म के लिए वरुण धवन ने एक बार फिर अपने पिता और जाने-माने फ़ल्मिमेकर डेविड धवन के साथ काम किया है। कुली नंबर 1 के बाद यह उनकी साथ में अगली फिल्म है, जो 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी उत्सुकता देखी गई। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में मनीष पॉल, मौनी रॉय, जिमी शेरगिल और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी सहायक भूमिकाओं में नजर आए हैं।

वरुण धवन की फिल्म की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत कुछ खास नहीं रही हैं। मेकर्स द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन ओपनिंग डे पर दुनियाभर में 12.70 करोड़ रुपये का

बिजनेस किया था। इसमें से फिल्म ने इंडिया में 10.20 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 2.50 करोड़ रुपये ओवरसीज से आए।

ठीक-ठाक शुरुआत के बाद रिलीज के दूसरे दिन भी फिल्म की कमाई में कुछ खास बढ़ोतरी दिखी नहीं। मेकर्स के मुताबिक, है जवानी तो इश्क होना है ने शनिवार को वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 13.99 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसमें से भारत का 10.74 करोड़ रुपये और ओवरसीज का 3.25 करोड़ रुपये का योगदान रहा। इस तरह दो दुनिया में फिल्म ने पूरी दुनिया भर में 26.69 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन कर लिया है।

है जवानी तो इश्क होना है बॉक्स ऑफिस पर तेलुगु फिल्म पेद्दी और बॉबी देओल की फिल्म बंदर से जबरदस्त टक्कर मिल रही है। पेद्दी, वरुण की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से एक दिन पहले रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाई। राम चरण की यह फिल्म तीन दिनों में दुनियाभर में 236.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। रमेश तौरानी की प्रोड्यूस और डेविड धवन की डायरेक्ट की गई फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में जिमी शेरगिल, मौनी रॉय, राकेश बेदी, चंकी पांडे और मनीष पॉल भी अहम सपोर्टिंग रोल में हैं, साथ ही जॉनी लीवर, राजपाल यादव, मनोज पाहवा, कृति सेनन और वरुण सूद के कैमियो भी हैं। है जवानी तो इश्क होना है 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय
सम्पर्कः 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com